केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका एप्प संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 166 शनिवार 6 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

भाजपा विधायक मानवेंद्र सिंह का निधन

नई दिल्ली (आभा)। शाहजहांपुर जिले में ददरौल विधानसभा सीट से लगातार दो बार भाजपा के टिकट से विधायक मानवेंद्र सिंह का शुक्रवार सुबह दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह एक साल से लीवर से संबंधित बीमारी से ग्रसित थे। बीच में उनकी सेहत में सुधार भी हुआ था, लेकिन पिछले करीब दस दिन से अधिक तबीयत बिगड़ गई। बेटे अरविंद सिंह उन्हें दिल्ली ले गए, जांच में पता लगा कि मानवेन्द्र सिंह को निमोनिया की भी शिकायत हो गई। बीजेपी विधायक मानवेंद्र का इलाज जारी था, लेकिन वह रिकवर नहीं हो पाए और शुक्रवार सुबह उनका निधन हो गया।

किसान ने सबके सामने लगा ली आग

मेरठ (आभा)। यूपी के मेरठ के मवाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब वन विभाग द्वारा जमीन जोतने से परेशान एक किसान तहसील पहुंच गया। यहां उसने तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। किसान को जलता देखकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ हुए उसने बचाया। किसान को बचाने में एसडीएम मवाना भी झुलस गए। इसके बाद गंभीर हालत में किसान को मवाना सरकारी अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मेरठ अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं इस घटना के बाद राज्य मंत्री दिनेश खटीक भी मौके पर पहुंचे और पूरी जानकारी ली।

दूकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती)। नगर थाना क्षेत्र के नगर खास में बीती रात थाने से महज कुछ ही दूर स्थित किराने की थोक व फुटकर की एक दुकान पर चोरों ने दावा बोल दुकान में रखें ढाई लाख रुपए लेकर चंपत हो गए जाते–जाते चोरों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का रिकॉर्डिंग बॉक्स भी साथ उठा ले गए मामले पीड़ित कौशल गुप्ता पुत्र सम्पत गुप्ता ने स्थानीय थाने पर तहरी देकर बताया है कि वह अपनी दुकान रात 12.00 बजे बंद कर अपने घर सोने चला गया सुबह दुकान पर आया तो दुकान के बाहर लगा हुआ ताला टूटा हुआ पाया दुकान में जाकर देखने पर दुकान के अंदर बोरी में करके रखा हुआ ढाई लाख रुपये नगदी तथा दुकान की सुरक्षा के लिए लगा हुआ कैमरे का तार टूटा हुआ था तथा वीडियो रिकॉर्डिंग का बॉक्स गायब पाया। वहीं मामले में पूछे जाने पर नगर थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी है तहरीर मिली है पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है तथा आसपास लगे हुई सीसीटीवी फुटेज को खंगाल जा रहा है।

सभी तहसीलों पर समाधान दिवस 6 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सम्पूर्ण समाधान दिवस सभी तहसीलों में शनिवार 6 जनवरी को आयोजित किया जायेगा। उक्त जानकारी एडीएम कमलेश चन्द्र ने दी है। उन्होने बताया कि जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हरैया तहसील में आयोजित होगा, जिसमें सभी जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। उन्होने निर्देश दिया है कि पूर्व में प्राप्त सभी शिकायतों का निस्तारण कर आख्या की प्रति लेकर अधिकारी आयेंगे।

एसटीएफ से मुठभेड़ में इनामी बदमाश विनोद उपाध्याय ढेर

सुलतानपुर (आभा)। यूपी एसटीएफ ने गोरखपुर के एक लाख के इनामिया बदमाश को मुठभेड़ में ढ़ेर कर दिया। कोतवाली देहात थाना के पीछे एसटीएफ टीम से मुठभेड़ में शार्प शूटर विनोद कुमार उपाध्याय मारा गया। पुलिस की गोली लगने से गंभीर रुप से घायल बदमाश को जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

शुक्रवार भोर में चार बजे के करीब हनुमानगंज–शंभूगंज रोड पर कोतवाली देहात थाना के पीछे गोपालपुर के पास मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ ने बदमाश विनोद उपाध्याय को पकड़ने के लिए शुक्रवार को भोर में घेराबंदी की थी। इस दौरान पुलिस की आहट पाकर उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। फिर बदमाश तथा पुलिस के बीच गोलाबारी की आवाज दूर तक सुनी गई। पुलिस की जबाबी कार्रवायी में

शातिर बदमाश विनोद उपाध्याय घायल हो गया। उसको जिला अस्पताल ले जाया गया,जहां उसकी मौत हो गयी । पुलिस ने बताया कि विनोद उपाध्याय एक संगठित गिरोह बनाकर गोरखपुर, बस्ती, संतकबीर नगर, लखनऊ में कई सनसनीखेज हत्या की घटनाओं को अंजाम दे चुका था। एसटीएफ मुख्यालय के डिप्टी एसपी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व वाली टीम के साथ मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया । वह मूल रुप से अयोध्या के महराजगंज के मया बाजार का रहने वाला था । उस पर विभिन्न जिलों में 35 मुकदमे दर्ज थे। देहात कोतवाल श्याम सुंदर ने बताया कि बदमाश के पास एक कार, विदेशी पिस्टल और एक कार्बाइन मिली है।

पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने बताया कि विनोद उपाध्याय पुत्र रामकुमार उपाध्याय निवासी मयाबाजार थाना महाराजगंज अयोध्या का मूल निवासी था। उसके खिलाफ गोरखपुर के थाना गुलरिहा में पंजीकृत जालसाजी और रंगदारी के मुकदमें में एक लाख रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। यूपी एसटीएफ को उसकी बहुत दिनों से तलाश थी। उसके खिलाफ कुल 35 मुकदमें विभिन्न जनपदों के भिन्न –भिन्न थानों में पंजीकृत हैं, इसमें हत्या व हत्या के प्रयास के कई मुकदमें हैं। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि वह सुलतानपुर के रास्ते प्रयागराज जा रहा है। रास्ते में घेराबंदी के दौरान मुठभेड़ में वह मारा गया। मुठभेड़ के दौरान उसके पास से एसटीएफ ने चाइनीज पिस्टल– 30 बोर, स्टेन गन नौ एमएम फैक्ट्री मेड, जिंदा कारतूस और कार बरामद की है। 2007 में विनोद उपाध्याय गोरखपुर से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। हालांकि, वह हार गया था।

ई.डी. टीम पर हमला, गाड़ियां तोड़ी

कोलकाता (आभा)। राशन घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीम पश्चिम बंगाल में लगातार छापेमारी कर रही है, इस दौरान ही शुक्रवार को ईडी की टीम छापेमारी करने उत्तर 24 परगना पहुंची. लेकिन ईडी की टीम को यहां ग्रामीणों की भीड़ ने घेर लिया और उन पर हमला कर दिया. भीड़ ने ईडी अधिकारियों के साथ– साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की है।

ईडी की टीम पर हमले का यह मामला उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखली गांव का है. जांच एजेंसी की टीम यहां राशन घोटाले के केस में टीएमसी नेता एसके शाहजहां शेख के घर छापेमारी करने पहुंची थी. इस दौरान ही करीब 200 लोगों की भीड़ ने अचानक ईडी की टीम पर धावा

बोल दिया. भीड़ ने ईडी अधिकारी और उनके साथ आए केंद्रीय सुरक्षाबलों की गाड़ियों में तोड़फोड़ की. जानकारी के मुताबिक जो टीम छापेमारी करने पहुंची थी, उसमें ईडी के असिस्टेंड डायरेक्टर भी शामिल थे. भीड़ ने उनकी गाड़ी भी तोड़ दी. हालांकि, इस हमले के बाद टीएमसी नेता एसके शाहजहां को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में पश्चिम बंगाल में ईडी की छापेमारी कई महीनों से जारी है. प्रवर्तन निदेशालय ने पहले खुलासा किया था कि पश्चिम बंगाल में लाभार्थियों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का लगभग 30 प्रतिशत राशन खुले बाजार में भेज दिया गया. जांच एजेंसी ने कहा था कि राशन की कथित चोरी के बाद मिले पैसे मिल मालिकों और पीडीएस वितरकों के बीच बांटी गई।

चावल मिल मालिकों ने कुछ सहकारी समितियों सहित कुछ लोगों की मिलीभगत से किसानों के फर्जी बैंक खाते खोले और धान उत्पादकों को भुगतान की जाने वाली एमएसपी को अपनी जेब में डाल लिया. प्रमुख संदिग्धों में से एक ने स्वीकार किया कि चावल मिल मालिकों ने प्रति क्विंटल लगभग 200 रुपये कमाए थे।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन बस्ती में होंगे विशेष आयोजनः तैयारियों में जुटा प्रशासन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जनपद में 14 से 22 जनवरी तक समस्त राम मंदिरों, हनुमान मंदिरों एवं बाल्मीकि मंदिरों में राम कथा, रामायण पाठ, भजन, कीर्तन आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जायेंगे। कलेक्ट्रेट समागार में आयोजित बैठक में उक्त जानकारी देते हुए मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी. एस. ने पर्यटन अधिकारी को निर्देशित किया है कि कलाकारों की सूची तैयार करते हुए संबंधित कलाकरों को आमंत्रण पत्र भेजें। इस दौरान नगर निकायों में कलश यात्रा, भजन भी किया जायेंगा। इसके लिए उन्होने उप जिलाधिकारी, ईओ नगरपंचायत को रूटचार्ट तैयार कर सफलतापूर्वक आयोजन कराये जाने का निर्देश दिया

है।

उन्होने संबंधित मंदिरों की सूची उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया है कि समस्त मंदिरों एवं उनके आस–पास साफ–सफाई की माकूल व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में जिला विकास अधिकारी संजय शर्मा, उप जिलाधिकारी गुलाब चन्द्र, विनोद पाण्डेय, शत्रुहन पाठक, जिला पंचायत राज अधिकारी रतन कुमार, पर्यटन अधिकारी विकास नारायण, क्षेत्राधिकारी पुलिस विनय कुमार चौहान, समस्त बीडीओ तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

फोरलेन के निर्माण में टूटेंगे कई कार्यालय, मकान, दूकान, पुलिस चौकी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के बड़े वन–कंपनीबाग फोरलेन का निर्माण शुरू है। टू–लेन से फोरलेन होने पर इस सड़क की जद में कई सरकारी बाउंड्रीवॉल समेत मकान,दुकान और कंपनीबाग पुलिस चौकी भी आ रही हैं। निर्माण के दौरान इस पर बुलडोजर चलेगा। वहीं इस निर्माण में नगर पालिका के पुराने नाले भी ध्वस्त किए जाएंगे, जो फिर पीडब्ल्यूडी बनाएगा।

16.58 करोड़ रुपये की लागत से 1.7 किमी की बन रही फोरलेन सड़क के निर्माण में तमाम कठिनाइयां आएंगी। सड़क से सटे दुकानध्मकान को तोड़ा जाएगा। इसमें अभी तीन से चार दुकानें ही प्रभावित होती बताई जा रही हैं। इसके अलावा नगर पालिका की ओर से पूर्व में बनाए गए तीन किमी लंबा नाला भी प्रभावित होगा। उसे ध्वस्त करके सड़क निर्माण निर्माण के साथ उसका भी निर्माण पीडब्ल्यूडी अपने बजट से कराएगा। इसके अलावा कंपनीबाग पुलिस चौकी भी जद में है। उसे भी कई अन्य जगह पर शिफ्ट किया जाएगा। वहीं सड़क के आसपास बनी सीमेंट और लोहे की सीढ़ियां भी हटाई जाएंगी। बीडीए कार्यालय का बाउंड्रीवॉल, आवास विकास गेट के पास बाउंड्रीवॉल व सदर तहसील की बाउंड्री गिराई जाएगी। नगर पालिका की ओर से पूर्व में दोनों तरफ से डेढ़–डेढ़ किमी में दोनों तरफ से नाले का निर्माण हुआ है, इस पर 50 से 60 लाख रुपये का खर्चा आया था। अब उसे ध्वस्त किया जाएगा। निर्माण खंड के जेई अभिषेक सिंह का कहना है कि जैसे–जैसे सड़क निर्माण के लिए खुदाई की जा रही, उसे अनुसार कुछ मकान–दुकान को भी चिह्नित किया जा रहा है।

प्रेमिका ने बचायी प्रेमी की जान, प्रेमी ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के अमरडोभा निवासी विकास सिंह ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाया है। विकास सिंह ने एसपी को दिये पत्र में कहा है कि उसका प्रेम सम्बन्ध गांव के ही भागवत यादव की बेटी से चल रहा है, इसे लेकर उसके घर वाले नाराज रहते हैं। गत 2 जनवरी 2024 को जब विकास मजदूरों को देने के लिये 10 हजार रूपये मजदूरी लेकर जा रहा था तो गांव के ही महेन्द्र यादव, शैलेष यादव, प्रदीप यादव, रिकेश यादव आदि ने उसे घेर लिया और जान से मार देने की नीयत से मारने पीटने लगे। उसका 10 हजार नकद, मोबाइल छीन लिया। शोर होने पर जब विकास सिंह की प्रेमिका को इसकी जानकारी मिली तो वह ढाल

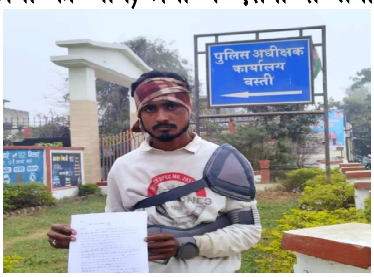

–दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई, परिजनों से प्रेमिका की जान बचाने की मांग

बनकर खड़ी हो गई और मौके पर पहुंची पुलिस को भी पूरे मामले की जानकारी दिया। विकास सिंह के अनुसार निधि न होती तो उसकी हत्या हो जाती। पुलिस ने निधि का बयान भी रेकार्ड किया है।

विकास सिंह के अनुसार घटना के बाद उसने मुण्डेरवा पुलिस को लिखित तहरीर दिया किन्तु पुलिस ने न तो चोटों का डाक्टरी मुआयना कराया न मुकदमा दर्ज किया। निधि को उसके परिजन कहीं लेकर चले गये है।

विकास सिंह को आशंका है कि निधि के परिजन उसकी हत्या भी कर सकते हैं और उसे फर्जी मामलों में फंसाया जा सकता है। उसने अपने परिवार और प्रेमिका निधि के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग किया है।

बीएचयू छात्रा से दुराचार मामले में समाजवादी महिला सभा ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाराणसी के बी.एच.यू. में भारतीय जनता पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं द्वारा छात्रा के साथ किये गये दुराचार की घटना के विरोध में शुक्रवार को समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष गीता भारती के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि घटना के विरोध में जिन छात्र–छात्राओं, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया उनके ऊपर दर्ज मुकदमों को वापस लेने के साथ ही आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाकर पीड़िता और उनके परिवार को न्याय दिलाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष गीता भारती ने कहा कि देशभर की एक–एक नारी देख रही है कि भाजपा नारी–सम्मान के साथ कैसा मनमाना खिलवाड़ कर रही है और महिला अत्याचार, उत्पीड़न और बलात्कार के आरोपियों को बचा रही है। आगामी चुनाव में महिलाएँ भाजपा को एक भी वोट नहीं देंगी। महिलाएँ ही भाजपा की हार का कारण बनेंगी।

–दोषियों के घरों पर भी चले बुलडोजर– गीता भारती

भाजपा का सच आज जनता के सामने है। जनता आगामी चुनाव में भाजपा को हराकर अपना फैसला भी देगी और महिलाओं के साथ इंसाफ करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र में ऐसी जघन्य घटना का होना ही अपने आप में शर्मसार करने वाली थी। ऊपर से संस्थापक, पंडित मदन मोहन मालवीय के द्वारा जिस विश्वविद्यालय की नींव रखी गई हो, ऐसी घटना का हो जाना बनारस ही नहीं पूरे पूर्वांचल को झकझोरने वाला है। कहा कि कुणाल पाण्डेय भाजपा आईटी सेल महानगर का संयोजक था। सक्षम् पटेल सह–संयोजक जबकि अभिषेक चौहान कार्यसमिति का सदस्य था। इनकी गिरफ्तारी ही काफी नहीं है। इनके घरों पर बुलडोजर चलवाकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाय।

ज्ञापन देने वाली महिला सभा की नेताओं में मुख्य रूप से इन्द्रावती शुक्ला, उर्मिला मिश्रा, प्रिया मिश्र, विन्दवासिनी निषाद, शीला, सुधा, चम्पा, प्रभा मिश्रा, मगरा, गायत्री, नीलम, बबिता गौतम, लक्ष्मी रंजन, सरोज, प्रियंका, मंजू कुमारी, रंजना, अनीता, गायत्रा के साथ ही अनेक पदाधिकारी और कार्यकत्री शामिल रहीं।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा प्रशासनः प्रभारी, सहायक अधिकारी नियुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में विभिन्न कार्यो के त्वरित एवं कुशलतापूर्वक निस्तारण हेतु जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी द्वारा प्रभारी एवं उनके सहायक अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है। उन्होने कार्मिक/प्रशिक्षण के लिए मुख्य विकास अधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा जिला विकास अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, कृषि, जिला प्रशिक्षण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

इसी प्रकार मतपत्र/डाक मतपत्र/सर्विस मतदाता तथा ई.टी.पी.बी.एस. के लिए परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए को प्रभारी अधिकारी तथा सहायक अभियन्ता डी.आर.डी.ए., डी.एम.एम., एनआरएलएम एवं डी.एम.एम., एनआरएलएम को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा टेण्ट, फर्नीचर, बैरीकेटिंग, विद्युत, माइक, लाइटिंग के लिए परियोजना निदेशक डीआरडीए को प्रभारी अधिकारी तथा अधिशासी अभियन्ता लो.नि.वि., निर्माण खण्ड एवं अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड–प्रथम को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा निर्वाचन व्यय लेखा एवं अनुवीक्षण प्रकोष्ठ के लिए मुख्य कोषाधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा सम्भागीय लेखाधिकारी खाद्य एवं रसद एवं वित्तीय परामर्शदाता जिला पंचायत को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

इसी प्रकार ई.वी.एम. के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, चकबन्दी अधिकारी हरैया, सहायक चकबन्दी अधिकारी नरेन्द्र सिंह, सहायक चकबन्दी अधिकारी नागेन्द्र पटेल, सहायक चकबन्दी अधिकारी मोहित मिश्रा एवं सहायक चकबन्दी अधिकारी ज्ञानेन्द्र कुमार को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी तथा कैमरे आदि की व्यवस्था, सी.सी.टी.वी. के लिए उपायुक्त मनरेगा को प्रभारी अधिकारी तथा जिला पंचायत राज अधिकारी, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी, डी.पी.सी. पंचायत राजाशेर सिंह एवं डी.पी.सी. पंचायत विष्णुदेव त्रिपाठी को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा परिवहन के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी एवं जिला पूर्ति अधिकारी को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

इसी प्रकार प्रेक्षक व्यवस्था के लिए ए.आई.जी. स्टाम्प को प्रभारी अधिकारी तथा जिला आबकारी अधिकारी एवं सब रजिस्ट्रार को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा लेखन/निर्वाचन सामग्री का व्यवस्था व प्रपत्रों का मुद्रण के लिए बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी को प्रभारी अधिकारी तथा सहायक चकबन्दी अधिकारी सूर्यनाथ मिश्र एवं सहायक चकबन्दी अधिकारी गिरिजेश कुमार सिंह को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा खान–पान के लिए जिला पूर्ति अधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा संबंधित तहसीलदार को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा प्रेस मीडिया सेल के लिए सहायक निदेशक सूचना को प्रभारी अधिकारी तथा अपर जिला सूचना अधिकारी को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

इसी प्रकार निर्वाचन हेतु वर्किंग कापी की तैयारी/मतदाता पर्ची के लिए संबंधित उप जिलाधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा संबंधित तहसीलदार को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा शिकायत प्रकोष्ठ के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा प्रशासनिक अधिकारी को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा माडल कोड ऑफ कन्डक्ट के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त ख.वि.अ. (ग्रामीण क्षेत्र हेतु) एवं अधिशासी अधिकारी न.पा.प./न.पं. को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा निर्वाचन सूचना का प्रेषण के लिए जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा अपर अर्थ एवं संख्याधिकारी रणजीत सिंह व अपर अर्थ एवं संख्याधिकारी जय प्रकाश वर्मा को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा निर्वाचन कन्ट्रोल रूम के लिए प्रधानाचार्य राजकीय पालीटेक्निक, छबिलहाखोर को प्रभारी अधिकारी तथा विभागाध्यक्ष सिविल इं. पालीटेक्निक व प्रधानाचार्य आई.टी.आई. हरैया को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

इसी प्रकार निर्वाचन विधि प्रकोष्ठ के लिए डी.जी.सी. (सिविल) को प्रभारी अधिकारी तथा ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी एवं सहायक शासकीय अधिवक्ता (सिविल) को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन प्लान/कम्यूनिकेशन प्लान एवं एस.एम.एस. अनुश्रवण के लिए अपर जिलाधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी व सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा कम्प्यूटराइजेशन के लिए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर व शीएम आलम (स्वान) को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा कानून व्यवस्था/वल्नरेबिलिटी मैपिंग एवं सुरक्षा प्लान के लिए अपर जिलाधिकारी को प्रभारी अधिकारी तथा अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

इसी प्रकार अनेक अधिकारियों में दायित्वों का वितरण किया गया है।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांगः भारत मुक्ति मोर्चा ने भेजा राष्ट्रपति को ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरटियन के नेतृत्व में मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को 19 सूत्रीय ज्ञापन भेजा। मांग किया कि चुनाव प्रक्रिया में व्यापक सुधार कर ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाय। जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा और 31 जनवरी को मांगों के समर्थन में दिल्ली स्थित चुनाव आयोग का घेराव कर प्रदर्शन किया जायेगा।

मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरटियन ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि दुनियां के विकसित देशों में भी ईवीएम से चुनाव नहीं होते तो आखिर भारत में क्यों। ईवीएम हटाओ, बैलेट पेपर लाओ और लोकतंत्र बचाओ अभियान के अंतर्गत

देश के जिलों के मुख्यालयों पर भारत मुक्ति मोर्चा के द्वारा भारत का लोकतंत्र बचाने के लिए ईवीएम के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन चलाया जा रहा है। जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती आन्दोलन जारी रहेगा। कहा कि ईवीएम मशीन के उपर से जनता का विश्वास खत्म होता जा रहा है। मशीन में वोटर्स के वोटों का सत्यापन करने का प्रावधान ना होने की वजह से, पारदर्शिता ना होने के कारण नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने के साथ साथ लोकतंत्र पर भी खतरा मड़रा रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राम सुमेर यादव, अशोक कुमार, चन्द्रिका प्रसाद, हृदय गौतम, प्रेम कुमार ठाकुर, कृपाशंकर चौधरी, सत्येन्द्र कन्नौजिया, गोरखनाथ आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 जनवरी 2024 शनिवार

सम्पादकीय

बढते साइबर अपराध

ऑन लाइन सेवाओं के विस्तार ने हमारे जीवन को जितना सुगम व सरल बनाया है, उतना ही खतरा साइबर अपराधों का भी बढ़ा है। दरअसल, देश में साइबर अपराधों पर शिकंजा कसने में देरी और लोगों में जागरूकता की कमी से भी अपराधी अपने मंसूबों में कामयाब हो जाते हैं। अब तो सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी निशाना बन रहे हैं। यह खबर परेशान करने वाली है कि देश में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ व हरियाणा में साइबर अपराध की दर सबसे ज्यादा है। बल्कि हरियाणा में मेवात साइबर अपराधों के जरिये वसूली का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। यह स्थिति कितनी चिंताजनक है कि पिछले तीन साल में वित्तीय धोखाधड़ी में दस हजार तीन सौ नब्बे करोड़ रुपये का चूना लोगों को लगा। कमोबेश साइबर अपराधियों के सुनियोजित गिरोहों द्वारा लोगों के विश्वास के साथ छल करके खून–पसीने की कमाई पर हाथ साफ किया जा रहा है। लोग शातिर अपराधियों के भ्रमजाल में फंस जाते है और उसकी बड़ी कीमत चुकाते हैं। यह समस्या कितना जटिल रूप ले चुकी है कि देश में एक लाख की आबादी पर 129 साइबर अपराध दर्ज किए गए हैं। लेकिन इसकी संख्या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रति लाख आबादी पर 755, चंडीगढ़ में 432 तथा हरियाणा में 381 है। इन स्थानों पर ज्यादा साइबर क्राइम होने की एक वजह यह भी है कि ऑनलाइन विकल्पों के प्रति जागरूकता के चलते अधिक लोग इन सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। वैसे साइबर क्राइम की छद्म प्रवृत्ति से अनभिज्ञ लोग भी जल्दी अपराधियों के झांसे में फंस जाते हैं। हालांकि, देश की केंद्रीय एजेंसियां लगातार अपराधियों पर नजर रखे हुए हैं और निरंतर इनके खिलाफ अभियान चलाती रहती हैं। मेवात सहित कई राज्यों में साइबर क्राइम के खिलाफ बड़े अभियान चलाए गए हैं। राष्ट्रीय एजेंसियों ने 2.9 लाख फर्जी सिम, 2810 गलत मंशा से चलाए जा रहे यूआरएल और 595 मोबाइल ऐप्स ब्लॉक किए हैं। लेकिन इसके बावजूद कहना कठिन है कि साइबर क्राइम इन कार्रवाइयों से कम हुए हैं।

दरअसल, साइबर अपराधी पुलिस व जांच एजेंसियों की सक्रियता के बावजूद अपनी गतिविधियों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। साइबर अपराधों का दायरा इतना विस्तृत व जटिल है कि पुलिस भी उन पर आसानी से हाथ नहीं डाल सकती। असल में, अपराध की दुनिया में साइबर अपराध की शुरुआत एक नया खतरा है, जिसके लिए हम अपनी पुलिस को पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं कर पाए हैं। साथ ही नागरिकों को भी इस भ्रमजाल से बचने के लिये पर्याप्त रूप से जागरूक करने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर अपराध का स्वरूप देखें तो वर्ष 2023 में सभी साइबर अपराधों में 38 फीसदी धोखाधड़ी निवेश से संबंधित थी। इसके बाद ग्राहक सेवा या रिफंड लौटाने के नाम पर जरूरी जानकारी लेकर फ्राड करने अथवा केवाईसी समाप्ति संबंधी झूठी सूचना देकर ठगने के मामले प्रकाश में आए। इतना ही नहीं सेक्सटॉर्शन के जरिये भी धन वसूली के बहुत मामले प्रकाश में आए। इसमें वीडियो कॉल के जरिये लोगों के चित्र को अश्लील दृश्यों से जोड़कर बदनाम करने की धमकी देकर धन वसूला जाता है। यही वजह है कि साइबर विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि अनजान वीडियो कॉल का जवाब न दें। यदि वे कॉल लेते हैं तो सेक्सटॉर्शन के शिकार बन सकते हैं। दरअसल, साइबर विशेषज्ञ बैंकों के साथ काम करके उस गिरोहबंदी को रोकने पर काम कर रहे हैं जिसमें एक खाते से धन हस्तांतरित करके आगे अन्य खातों में भेज दिया जाता है और दूसरे के नाम से निकाल लिया जाता है। देश में साइबर अपराधों का वर्ष 2022 से 2023 में 61 फीसदी की दर से बढ़ना गंभीर चेतावनी है। यह बदलाव है कि इससे पहले वर्ष में यह वृद्धि एक सौ तेरह प्रतिशत थी। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2019 में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल लॉन्च होने के बाद लोगों को राहत मिली है। जिसके चलते साइबर अपराधों में 4.3 लाख नागरिकों के हुए नुकसान में से एक हजार एक सौ सत्ताईस करोड़ रुपये की वसूली की जा सकी है। लोगों को ऐप की अनुमति देते वक्त सावधान रहने की बात कही गई है।

इण्डिया गठबंधनः मायावती के फैसले पर टिकी निगाहें

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ तब तक कोई गठबंधन कामयाब नहीं माना जा सकता है जब तक कि उसमें समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी एक साथ नजर नहीं आयें। 2019 के यानी पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के बाद नंबर दो पर रही बसपा को सबसे अधिक वोट मिले थे और सपा को बसपा के मुकाबले करीब डेढ़ फीसदी कम वोट पड़े थे। बाकी दल चाहे उसमें राष्ट्रीय स्तर की पार्टी कांग्रेस हो या फिर पश्चिमी यूपी तक सीमित राष्ट्रीय लोकदल, इन दोनों दलों की इतनी ताकत नहीं है कि वह सपा–बसपा के बिना कोई बड़ा उलटफेर कर सकें। वैसे इन दलों के अलावा अपना दल (सोनेलाल), निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, अपना दल (कमेसवादी), जनता दल यूनाइटेड, आजाद समाज पार्टी, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक एवं एआईएमआईएम जैसी पार्टियां भी हैं जिनका पिछले उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में वोट एक प्रतिशत के नीचे ही रहा था। अपना दल सोनेलाल गुट जो बीजेपी के साथ है, उसको जरूर डेढ़ प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। इन दलों का यही हाल कमोवेश 2019 के लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिला था। यह आंकड़े उन लोगों के लिए एक संदेश हैं जो यूपी में इन दलों को साथ लेकर कोई बड़ा उलटफेर का सपना संजोये हुए हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन के बल पर अपनी ताकत बढ़ाने में लगे गैर बीजेपी दलों के लिए 2017 के उत्तर प्रदेश विधान सभा और 2019 के लोकसभा चुनाव एक बानगी है। 2017 का विधान सभा चुनाव समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन जनता ने इसे पूरी तरह से दुकरा दिया और इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा–बसपा गठबंधन भी कुछ खास नहीं कर पाया था। आश्चर्यजनक बात यह है कि समाजवादी पार्टी नेता इस हकीकत से अनभिज्ञ नहीं हैं, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव क्यों बसपा को साथ नहीं लेना चाहते हैं, यह रहस्य बना हुआ है। जबकि कांग्रेस खुलकर कह चुकी है कि वह इंडी गठबंधन में बसपा को भी देखना चाहती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उत्तर प्रदेश में बसपा का ठीकठाक वोट बैंक है। दलितों में उनकी अच्छी खासी पैठ है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब सपा–बसपा मिलकर चुनाव लड़े थे, तब बसपा को 19.88 फीसदी वोट मिले थे, जो सपा से कुछ ज्यादा ही थे। सपा को 18.11 फीसदी मत हासिल हुए थे।

बहरहाल, गठबंधन में बहुजन समाज पार्टी शामिल होगी या नहीं, इसको लेकर अभी तस्वीर साफ नहीं है। हालांकि गैर बीजेपी गठबंधन वाले नेता और अन्य वर्ग के लोग बसपा को इंडी गठबंधन में शामिल करने की मांग लगातार उठा रहे हैं। परंतु अखिलेश अपनी बात पर अड़े हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों दिल्ली में गठबंधन की बैठक में भी जब इस पर बात हुई तो सपा ने आपत्ति जताई थी। सपा ने दो टूक कह दिया था कि बसपा आएगी तो वह बाहर निकल जाएगी। अब यूपी कांग्रेस से मांग उठी है कि गठबंधन में बसपा को भी शामिल किया जाए। दरअसल, कांग्रेस पार्टी भाजपा को 2024 में शिकस्त देने के लिए अपनी तरकश के हर तीर आजमाना लेना चाहती है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दलित वोटरों में मायावती की पैठ को देखते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व से कहा है कि मायावती साथ आई तो दलित वोट मिलना आसान हो जाएगा। यूपी में 20 प्रतिशत आबादी दलितों की है।

मायावती की चर्चा चलने लगी तो बसपा के सांसद मलूक नागर आगे आये और उन्होंने कांग्रेस को आईना दिखाना शुरू कर दिया और मांग की कि पार्टी प्रमुख मायावती को पीएम पद का प्रत्याशी घोषित किया जाए। उनसे पूछा गया था कि इंडी गठबंधन में शामिल होने के लिए पार्टी की क्या कोई शर्त होगी? उन्होंने कहा कि कांग्रेस को हमारे पार्टी के विधायकों को ले जाने के लिए मायावती जी से माफी मांगनी चाहिए और उन्हें इंडी गठबंधन का पीएम पद का उम्मीदवार घोषित करना चाहिए। नागर ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस दलित चेहरा चाहती है तो मायावती से बेहतर कोई पीएम कैंडिडेट नहीं मिल सकता है। नागर ने कहा कि उनकी पार्टी का यूपी में 13.5 प्रतिशत दलित वोट शेयर है। उन्होंने यह भी दावा कर दिया कि मायावती को पीएम फेस बनाया जाता है तो हम 60 से ज्यादा सीटें जीत सकते हैं। खैर, इससे इतर इंडी गठबंधन के भीतर अभी यूपी की सीटों के बंटवारे पर मंथन चल रहा है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख बता रहे हैं कि यूपी में कांग्रेस कितनी सीटों पर लड़ेगी और रालोद को कितनी सीटें दी जायेंगी। कांग्रेस को करीब 15 और रालोद को पांच से छह सीटें दिये जाने की संभावना है। सपा करीब 58 सीटों पर लड़ना चाहती है, लेकिन बसपा के गठबंधन में शामिल होने से सभी दलों की सीटों में कटौती निश्चित है। पिछले दिनों विपक्ष की बैठक के बाद मायावती ने सामने आकर कहा था कि भविष्य में देश में जनहित में कब किसको किसकी जरूरत पड़ जाए, कहा नहीं जा सकता है। दरअसल, मायावती को भी पता है कि भाजपा के जनाधार को देखते हुए बसपा के लिए बेहतर प्रदर्शन कर पाना चुनौती होगी। पिछली बार 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा को 10 सीटें मिली थीं। अपने दम पर शायद इस बार उतनी सीटें न मिलें, ऐसे में बसपा भी चाहेगी कि वह गठबंधन में आकर अच्छा प्रदर्शन कर सकें।

2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने सपा और राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। इसे करीब 40 प्रतिशत वोट मिले थे। बसपा को करीब 20 प्रतिशत, सपा को 19 और रालोद को 1.69 प्रतिशत वोट मिले थे। बसपा के बारे में देखा गया है कि वह बहुत पहले अपने उम्मीदवार घोषित कर देती है लेकिन इस बार उसने प्रभारी भी नहीं बनाए हैं। बसपा के लोग मान रहे हैं कि हो सकता है कि गठबंधन को लेकर जल्दी स्थिति साफ हो।

उधर, बसपा को इंडी गठबंधन से दूर रखने की समाजवादी कोशिश की बात की जाये तो सपा कम से कम सीटों का बंटवारा करना चाहती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव जानते हैं कि जब गठबंधन में सीटों का बंटवारा होगा तो 2019 के लोकसभा चुनाव के नतीजे इसका आधार बनेंगे और उन चुनावों में बसपा को सपा से अधिक वोट और सीटें मिली थी, जिसके चलते उसकी दावेदारी भी ज्यादा मजबूत होगी। बसपा किसी भी सूरत में सपा से कम सीटों पर लड़ने को तैयार नहीं होगी। इसीलिए अखिलेश बसपा को गठबंधन का हिस्सा नहीं बनने देना चाहते हैं, इसके लिए अखिलेश यादव यहां तक कहने लगे हैं कि यदि बसपा को गठबंधन में शामिल किया गया तो वह गठबंधन से अलग भी हो सकते हैं।

दरअसल, अखिलेश चाहते हैं कि 2022 के विधानसभा चुनाव के आधार पर लोकसभा सीटों का बंटवारा हो, जिसके नतीजे कांग्रेस और बसपा के लिए बेहद निराशाजनक रहे थे। 2007 में प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार का मुख्यमंत्री पद संभाल चुकीं मायावती की पार्टी को 15 साल बाद 2022 में मात्र एक विधान सभा सीट मिली थी। समाजवादी पार्टी कुछ भी दलील दे, लेकिन कांग्रेस की दिली तमन्ना यही है कि बसपा को भी गठबंधन का हिस्सा बनाया जाये। जो सही भी है, यदि बसपा भी इंडी एलायंस का गठबंधन का हिस्सा होती है तो यूपी में कई लोकसभा सीटों पर बीजेपी की जीत का समीकरण गड़बड़ा सकता है।

उधर, सपा की बात की जाये तो उसके लिये भी राह आसान नही नजर आ रही है। उसके अपने ही उसका साथ छोड़ते जा रहे हैं। हालत यह है कि इंडिया गठबंधन में शामिल होकर पीडीए का झंडा थामने में लगे अखिलेश यादव से अब परंपरागत यादव वोट बैंक भी खिसक रहा है। सालों से मुलायम सिंह यादव की सरपरस्ती में चल रही अखिल भारतीय यादव महासभा में दो फाड़ हो गया है। यूपी में यादव तबके ने यादव मंच बना कर सपा की सियासत की छाया से खुद को अलग कर लिया है। यादव महासभा का सपा से मोह भंग होना अखिलेश यादव के लिए झटके के तौर पर देखा जा रहा है। ओबीसी कुनबे को इकट्ठा करने में जुटे अखिलेश यादव को आगामी लोकसभा चुनाव से पहले ये बड़ा झटका लगा है। दरअसल, अखिल भारतीय यादव महासभा का हमेशा सपा को समर्थन मिलता रहा है लेकिन बीते कुछ सालों के दौरान सपा और महासभा के बीच खटपट बढ़ी है।

नये साल से उम्मीदें और चुनौतियां

—ललित गर्ग—

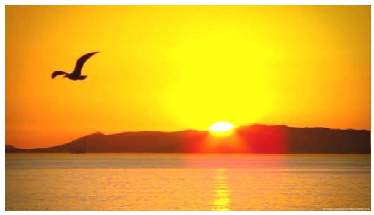

नया साल प्रारंभ हो गया है तो हर बार की तरह इस बार भी नई उम्मीदें, नया विश्वास एवं नया धरातल लाया है। बीत गया एक और साल। नये की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कह देने की सामान्य सोच रही है। यह समझ देखी गयी है कि नयेपन के जादुई आकर्षण के जागते ही हम पुरानेपन को उतार फेंकना चाहते हैं। हमने बीते वर्ष में श्रेष्ठताओं की उपलब्धि पर सात्विक गर्व करने की अनेक स्थितियों को रचा है लेकिन हम सबके लिए और देश के लिए भी आने वाले वर्ष कुछ महत्वपूर्ण करणीय कार्य है। निश्चित ही नया साल हमेशा की तरह कुछ सवाल भी लेकर आया है। ऐसे सवाल जिनका हल निकाले बिना शायद हम संतुष्ट न हो पाएं और नये भारत–सशक्त भारत का सपना आधा–अधूरा ही कहा जायेगा। ऐसे नए–पुराने सवाल हर नए साल में सामने आते रहे हैं। कुछ सवालों को हल करने में हम सफल रहे, लेकिन कुछ सवाल हमेशा की तरह अनुत्तरित ही रह गए। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। यह पुरुषार्थ का सन्देश है, अधूरे रहे कामों एवं संकल्पों को पूरा करने का। इन क्षण जड़ताओं को तोड़कर मुक्त होती है हमारे विकास की उजली संभावनाएं। यह अच्छाइयों एवं अधूरे रहे कार्यों को पूरा करने की ओर मुड़ने की प्रेरणा है। अर्थशून्य ढर्रे की जीवनशैली एवं विकास योजनाओं को बदलने का बुजुर्गी सुझाव है। समस्या जब बहुत चिन्तनीय बन जाती है तो उसे बड़ी गंभीरता से नया मोड़ एवं रफ्तार देने की जरूरत है। शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं से जुड़े ऐसे ही अफसोस के अहसास हमारे लिये गंभीर होने चाहिए।

आजादी के अमृत काल में भी शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी चिन्ताओं का गहन बना रहना हमारी विकास यात्रा पर एक सवालिया निशान है। शिक्षा जगत से जुड़ी एक खबर सामने आई है, वह यह कि बढ़ती महंगाई और बदलते नियमों से विदेशों में पढ़ाई मुश्किल हुई है। सब जानते हैं कि शिक्षा हर परिवार के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। हर मां–बाप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। कई बार अच्छी शिक्षा के लिए बच्चों को विदेश भी भेजना पड़ता है। सवाल यह है कि आबादी के हिसाब से दुनिया का पहले नंबर वाला देश क्या अपने यहां ही बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया नहीं करा सकता? यह सवाल करोड़ों बच्चों की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। सरकार के अनूठे एवं व्यापक प्रयत्नों के बावजूद शिक्षा और चिकित्सा के लगातार महंगे होने की चिन्ता से हर कोई परेशान है। शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना देने एवं निजी हाथों में सौंप देने से ही दोनों महंगी हुई है, आम आदमी तक उसकी पहुंच जटिल होती गयी है। इस बात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने चिन्ता जताते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है पर दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसकी वजह जनसंख्या के मुताबिक उपलब्धता की कमी और व्यावसायिकता है।' नये भारत के निर्माण के साथ समय की इस दस्तक को सुनें। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता हैं, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सूध कौन लेगा?

शिक्षा पर लंबे–लंबे भाषण देने वाले राजनेता, शिक्षाविद, अधिकारी और मंत्री भी देश की इन स्थितियों से परिचित हैं। बसों में मूंगफली बेचते हुए, स्टेशनों पर भीख मांगते हुए, चौराहों पर भुट्टा भूजते हुए, फैक्ट्रियों में बिसलरी की बोतलों में पानी भरते हुए, सड़क के किनारे टाट पर सब्जी बेचते या चाट का ठेला लगाते हुए इन बच्चों को कौन नहीं देखता है। ऐसा इन्हें क्यों करना पड़ता है? यह जानने की कोशिश कितने लोग करते हैं? रिक्शा, ऑटोरिक्शा, बस चलाने वाले ड्राइवरों के पीछे की भी कहानी ऐसी ही होती है। नीति–नियंता लोग अपने निजी ड्राइवर, नौकर या कामवाली बाई की पारिवारिक स्थिति के बारे भी विचार कर लेते तो भी इस तरह की स्थितियों के बारे में बहुत कुछ आसानी से समझ लेते। कहीं–कहीं ये भी देखने को मिलता है कि जिन बच्चों की किलौनों से खेलने की उम्र होती है वही बच्चे मेला, हाट–बाजार में खिलौना बेचते हुए मिलते हैं। किताबों से तो उनका दूर–दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। फिर विकास के सुनहरे सपने उन्हें कैसे दिखाई दे सकता है? इन स्थितियों में कैसे नया भारत–सशक्त भारत आकार ले सकेगा?

आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू, बीएचयू जैसे विश्वविद्यालयों में भले ही फीस कुछ कम है, लेकिन यहां तक पहुंचने की प्रक्रिया बहुत जटिल एवं प्रतिस्पर्धापूर्ण है। बच्चे संघर्ष करके वहाँ तक पहुँच जाते हैं और पढ़ाई आसानी से कर लेते हैं। किंतु अब वहां की भी फीस बढ़ाने की कवायद तेजी से होने लगी है। तमाम सरकारी प्रयासों एवं योजनाओं के शिक्षा महंगी होती जा रही है, तो देश का निम्न एवं मजदूर वर्ग यह सोचने को मजबूर है कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था कैसे करे। निजी कॉलेजों में तो इतना अधिक पैसा लगता है कि मध्य वर्ग के भी कान खड़े हो जाते हैं, तो फिर निम्न वर्ग की बात ही क्या?

यहां बात सिर्फ शिक्षा तक ही सीमित नहीं रह जाती। शिक्षा के साथ एक और विषय है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। वह है, चिकित्सा। जिस तरह गुणवत्ता के मामले में भारत के विश्वविद्यालय पिछड़े हुए हैं, उसी तरह की छवि भारत के अस्पतालों की है। मतलब साफ है कि अच्छी पढ़ाई हो या बेहतर इलाज, जेब में पैसा हो तो पकडो विदेश की राह। गंभीर सवाल यह है कि जिसकी जेब में पैसा नहीं है, वह क्या करे? क्या उसे अच्छी पढ़ाई या बेहतर इलाज कराने का हक नहीं है? नए साल में हमें, हमारी सरकारों और इन क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों को इन्हीं सवालों के जवाब ढूंढने चाहिए। हमने जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं तो फिर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र भला अछूते क्यों रहें? जब हम देश के लोगों को ही समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं तो विदेशों के लिये दरवाजें खोलना एवं उन पर सरकार की बड़ी शक्ति का खर्च होना कैसे औचित्यपूर्ण हो सकता है? एक ऐसे देश में जहां वंचित समूह पहले से ही अपनी भावी पीढ़ी को शिक्षित बनाने के लिए कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजर रहा हो, निजी स्कूलों व अस्पतालों की संवेदनहीनता एवं अर्थ लोलुपता से सामाजिक असंतोष एवं विद्रोह के स्वर उभरते रहे हैं।

शिक्षा एवं चिकित्सा की भांति पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी अनेक समस्याओं का कारण है। भारत में ग्लोबल तापमान के चलते होने वाला विस्थापन अनुमान से कहीं अधिक है। मौसम का मिजाज बदलने के साथ देश के अलग–अलग हिस्सों में प्राथमिक आपदाओं की तीव्रता आई हुई है। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ हो या सिलक्यारा में सुरंग हादसा–भारत में पर्यावरण समस्या को नजरअंदाज करने के परिणाम है।

ई.डी. और हेमंत सोरेन

—चेतनादित्य आलोक—

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से भेजे गए समन के मद्देनजर झारखंड के राजनीतिक गलियारों में यह कयास लगाया जा रहा है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की तरह ही इस बार झारखंड में हेमंत सोरेन भी पत्नी कल्पना सोरेन को राजनीतिक विरासत सौंप सकते हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से सातवीं बार भेजे गए समन को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं समेत आईएनडीआईए गठबंधन के तमाम राजनीतिक दलों के बीच झारखंड सरकार के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। यही कारण है कि कांग्रेस के राज्य विधायक दल ने भी आनन–फानन में तीन जनवरी को एक बैठक आहूत की, जिसमें राज्य के चारों मंत्रियों समेत 13 विधायक तथा राज्य कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने भी भाग लिया। हालांकि, कांग्रेस की ओर से मीर ने बैठक को लेकर मीडिया से इतना ही कहा कि विधायकों के साथ बैठक काफी अच्छी रही।

देखा जाए तो कांग्रेस की यह बैठक वास्तव में अपने विधायकों की नब्ज टटोलने की एक कोशिश भर थी। दरअसल, कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को यह डर सता रहा है कि कहीं संकट की घड़ी में उनके विधायक टूट न जाएं। इसीलिए कांग्रेस के आलाकमान ने राज्य कांग्रेस के प्रभारी मीर को रांची भेजकर विधायकों को एकजुट रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने की बात कही होगी। इस बात में वजन इसलिए भी है, क्योंकि झारखंड में आईएनडीआईए गठबंधन के भीतर यदि सबसे अधिक खतरा किसी पार्टी के टूटने का है तो वह कांग्रेस ही है, क्योंकि संकट की घड़ी आने पर सबसे पहले कांग्रेसी विधायक ही इधर–से–उधर होते पाए गए हैं। इससे पहले भी एक बार झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार के गिरने की खबर फैली थी, जब राजनीतिक गलियारों में यह बात खूब उछली थी कि कई कांग्रेसी विधायक भाजपा के कुछ केंद्रीय एवं स्थानीय नेताओं के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। उस समय कांग्रेसी विधायकों की आलाकमान से नाराजगी उनके टूटने की वजह बताई जा रही थी। तब पार्टी को तोड़कर भाजपा में शामिल होने के कथित आरोपी विधायकों का बंगाल कनेक्शन खुलकर सामने आया था। शायद इसीलिए कांग्रेस पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व झारखंड सरकार पर आने वाले संकट को भांपकर पहले ही अपनी तैयारी पूरी कर लेना चाहता था।

उधर झामुमो के भीतर ईडी की ओर से मुख्यमंत्री सोरेन को भेजे गए समन को लेकर अलग ही भय का माहौल बना हुआ है, क्योंकि केंद्रीय एजेंसी की ओर से उन्हें सातवीं बार समन भेजा गया था, जिसे आखिरी समन बताया जा रहा है। हालांकि उसे षड्यंत्र का हिस्सा बताते हुए मुख्यमंत्री इस बार भी ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने समन का गोल–मोल जवाब भेज दिया। देखा जाए तो ईडी को जवाब भेजकर उन्होंने खानापूर्ति भले ही कर ली हो, लेकिन वे भी जानते हैं कि उनके ऊपर ईडी की तलवार हर वक्त लटक रही है, जिससे अब उनका बचना बेहद कठिन ही नहीं, बल्कि असंभव प्रतीत होने लगा है। इसका प्रमुख कारण इस मामले में ईडी का वह अल्टीमेटम है, जो एजेंसी ने मुख्यमंत्री को समन के साथ भेजा था। उसमें एजेंसी ने मुख्यमंत्री से साफ–साफ कहा था कि या तो पूछताछ के लिए वे स्वयं उपस्थित हों अथवा केंद्रीय एजेंसी को स्थान और तिथि बताएं, ताकि उनसे पूछताछ की जा सके। बहरहाल, अब इस मामले में यह संभावना जताई जा रही है कि केंद्रीय एजेंसी वैधानिक प्रक्रियाएं अपनाकर पूछताछ करने के लिए मुख्यमंत्री को हिरासत में ले सकती है। संभव है कि विपक्ष के नेता हेमंत सोरेन के इस कदम को मूर्खतापूर्ण मानने की गलती कर दें, लेकिन सच तो यह है कि गिरफ्तारी अथवा ईडी द्वारा हिरासत में लिए जाने की स्थिति में सोरेन जनता के बीच स्वयं को पीड़ित (विक्टिम) दिखाकर आगे की राजनीति साधने की तैयारी में हैं।

हाटा में पुलिस मुठभेड़, इनामी पशु तस्करों समेत तीन घायल

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर जिले के हाटा कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को तड़के देवरिया हाटा रोड पर पटना मिश्रौली गांव के पास पशु तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हुई। इस दौरान 50000 व व 25000 रुपये के ईनामी समेत तीन पशु तस्कर पैर में गोली लगने से घायल हो गए। तस्करों के कब्जे से पिकअप वाहन व अवैध शस्त्र बरामद किए गए हैं। दोनों ईनामी बदमाशों पर गोरखपुर, महराजगंज व कुशीनगर समेत कई जिलों के थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

एसपी धवल जायसवाल ने बताया कि हाटा कोतवाली की पुलिस को साइबर सेल व अन्य सूत्रों से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में पशु तस्करों की एक टीम देखी गयी है। हाटा कोतवाल राज प्रकाश सिंह ने साइबर सेल प्रभारी मनोज कुमार पंत व कप्तानगंज थानेदार राजकुमार बरवार के साथ संयुक्त टीम गठित की और शुक्रवार को सुबह देवरिया हाटा रोड पर पटना मिश्रौली गांव के पास बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। तभी पिकअप से तीन बदमाश पहुंचे और बैरिकेडिंग तोड़ कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने उन पर फायर झोंक दिया। जवाबी फायरिंग में तीनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। अस्पताल पहुंचा दिया। पकड़े गए पशु तस्करों की पहचान 50 हजार रुपये के ईनामी जफरुद्दीन निवासी सोहसा पट्टी थाना कसया, 25 हजार के ईनामी वाहिद रजा उर्फ मोनू शेख निवासी लाला गुरुवलिया थाना तुर्कपट्टी तथा मुस्तफा अली निवासी नरहवा थाना गोपालपुर जनपद गोपालगंज (बिहार) के रूप में हुई। इनके कब्जे से तीन तमंचे, आठ जिंदा व छह फायरशुदा खोखा कारतूस, पशु वध के उपकरण व एक पिकअप वाहन बरामद किया गया है। जफरुद्दीन गैंगस्टर है। उस पर कुशीनगर जिले के अलावा गोरखपुर, महराजगंज व देवरिया जिलों के कई थानों में कुल 26 मुकदमे दर्ज हैं। वाहिद भी गैंगस्टर है और उस पर कुशीनगर के अलावा गोरखपुर के कई थानों में 9 मुकदमे दर्ज हैं। तीसरे बदमाश मुस्तफा पर तरया सुजान में पहले से मुकदमे दर्ज हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है विकसित भारत– दद्दन

संवाददाता—श्रावस्ती। भाजपा की ओर से गांव गांव विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। इसके लिए शुक्रवार को विकास क्षेत्र हरिहरपुरानी के वर्गा वर्गी, चहलवा और हरिहरपुरानी में यात्रा पहुंची। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व सांसद दद्दन मिश्र मौजूद रहे। हरिहरपुरानी में बोलते हुए दद्दन मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को विश्वगुरु बनाने जा रहे हैं। इसलिए गांव गांव विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंच रही है। इस यात्रा के दौरान लोगों को केन्द्र व प्रदेश

बिजलीपुर-उतरौला रिंग रोड बनाने को डीएम ने शुरू किया प्रयास

संवाददाता—बलरामपुर। नगर को भारी ट्रैफिक एवं जाम से मुक्ति दिलाने को लेकर जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने एक और सकारात्मक प्रयास शुरू किया है। जहां एक ओर दुल्हिनपुर सिरसिया से बिजलीपुर तक रिंग रोड का निर्माण का कार्य शुरू होने जा रहा है वहीं दूसरी ओर डीएम ने बिजलीपुर से उतरौला मार्ग तक रिंग रोड बनाने के लिए प्रारम्भिक बैठक कर पीडब्लूडी के अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर कार्य की रूपरेखा बनाने के आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिया। डीएम अरविंद सिंह ने ने बताया कि प्रस्तावित रिंग रोड एनएच–730 बीद्ध परिपथ के किमी 331 के दायें तरफ बिजलीपुर गांव से निकलकर कटरा शंकरनगर, सोनार गांव व मझौवा गांव होते हुए उतरौला रोड पर निकलेगी। डीएम ने अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड को रिंग रोड के लिए ऑगणन के साथ प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि बिजलीपुर–उतरौला बाईपास बन जाने से नेपाल, तुलसीपुर, उतरौला, गोण्डा व बस्ती को जाने वाले लोगों को बलरामपुर शहर में प्रवेश नहीं करना पडेगा।

एसडीएम को धमकाने के मामले में भाजपा विधायक को दो साल की सजा

संवाददाता—बहराइच। पिछले ही महीने भाजपा के दुद्धी से विधायक रामदुलार गोंड की विधानसभा सदस्यता रद होने के बाद अब एक और एमएलए की सदस्यता पर तलवार लटक गई है। बहराइच से बीजेपी विधायक सुरेश्वर सिंह को एसडीएम को धमकाने के मामले में अदालत ने दो साल की सजा सुनाई है। विधायक पर 2500 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। सुरेश्वर सिंह पर यह मामला 2002 में दर्ज किया गया था। दो या दो से अधिक साल की सजा होने पर जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत विधानसभा की सदस्य ली जाती है। सजा सुनाए जाने के दौरान विधायक कोर्ट में मौजूद नहीं थे। विधायक सुरेश्वर सिंह के खिलाफ 21 साल पहले थाना हरदी में तत्कालीन एसडीएम महसी ने मुकदमा दर्ज कराया था। उन पर एसडीएम कार्यालय में घुसकर सरकारी कार्य में बाधा पैदा करने और अधिकारी से दुर्व्यवहार करने और एसडीएम को बाहर निकालने के साथ ही धमकी देने का आरोप

लगा था। अपर सिविल जज प्रवर खंडध्एसीजेएम एमपी–एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश अनुपम दीक्षित के न्यायालय में मामला चल रहा था। अदालत में उप जिलाधिकारी के बयान के साथ ही अन्य साक्ष्य का भी परीक्षण कराया। गुरुवार को अभियोजन एवं बचाव पक्ष के तर्कों को सुनने के बाद अदालत में फैसला सुरक्षित कर लिया था, जिसे शुक्रवार की सुबह अदालत खुलते ही सुना दिया गया। विधायक सुरेश्वर सिंह के खिलाफ दो सितंबर 2002 को थाना हरदी में तत्कालीन एसडीएम महसी ने मुकदमा पंजीकृत कराया था। उन पर एसडीएम कार्यालय में एक बयान के दौरान घुसकर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए दुर्व्यवहार करने व एसडीएम को बाहर निकलने पर निपटने की धमकी देने का आरोप था। इससे पहले पिछले महीने 15 दिसंबर को सोनभद्र की दुद्धी सीट से विधायक राम दुलार गोंड को नाबालिग किशोरी से रेप के आरोप में सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद कर दी गई थी। गोंड ने हाईकोर्ट में भी अपील की लेकिन वहां से कोई राहत नहीं मिली थी।

पूजित अक्षत पहुंचते ही निहाल हुए लोग

संवाददाता—महराजगंज। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रामभक्तों और श्रद्धालुओं को निमंत्रण देने का अभियान चल रहा है। पूजित अक्षत पाकर लोग निहाल हो जा रहे हैं। जिला प्रचार प्रमुख जीवेश मिश्र ने बताया कि महराजगंज शहर व ग्रामीण इलाकों में पूजित अक्षत वितरण अभियान कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं ने घर–घर अक्षत, रामलला के विग्रह का चित्र व आमंत्रण पत्र देकर 22 जनवरी को आनंदोत्सव मनाने की अपील की। जयश्रीराम का जयघोष कर कार्यकर्ता अक्षत वितरण अभियान में बांटे जा रहे आमंत्रण पत्रक के माध्यम से भक्तों को अवगत करा रहे हैं। पत्रक के पिछले हिस्से में मंदिर के स्वरूप व इसकी विशेषताओं की जानकारी दी गई है। पत्रक में बताया गया है कि 32 सीढ़ियां चढ़कर भक्तों को रामलला के दर्शन प्राप्त होंगे। मंदिर में बनने वाले अन्य प्रकल्पों, मंदिर की भी जानकारी दी गई है। कार्यकर्ता लोगों से 22 जनवरी को पूजा, कीर्तन करने व शाम को भव्य दीपावली मनाने की भी अपील की। सुबह सभी कार्यकर्ता हनुमानगढ़ी पर एकत्रित हुए और जय श्रीराम के जयघोष के उपरांत नगर प्रचारक हिमांशु व नगर अभियान प्रमुख डॉ आशीष मिश्र के नेतृत्व में अमरूतिया बाजार में पूजित अक्षत वितरण का कार्य प्रारंभ हुआ। अपराह्न 2 बजे शतमरिया ग्राम सभा में सुनील मिश्रा व श्यामसुंदर पांडेय के नेतृत्व में पूजित अक्षत पूरे गांव में वितरित हुआ। सह जिला कार्यवाह अनिल जी ने बताया की 6 जनवरी को महराजगंज के पीजी कॉलेज खेल मैदान परिसर से सुबह 10 बजे भव्य शोभायात्रा नगर में निकाली जाएगी जिसमें पूरे जिले से रामभक्त सम्मलित होंगे। पूजित अक्षत वितरण कार्यक्रम में जिला संपर्क प्रमुख विमल जी ,नगर संघचालक आलोक जी सह नगर कार्यवाह दुर्गेश, नीरज पाण्डेय, मनीष, धनंजय, विशाल, विकास, चन्दन, करन आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए लोगों को दिलाया संकल्प

संवाददाता—बलरामपुर। गैंसड़ी ब्लॉक के ग्राम सभा वीरपुर कला एवं भोजपुर कोल्हुइया में शुक्रवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की पौत्री अंजली मिश्रा रहीं। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिलाया गया। अंजली मिश्रा ने पीएम विश्वकर्मा योजना के बारे में लोगों को बताते हुए कहा कि आज लगभग 13 हजार करोड़ रुपए की लागत से केन्द्र सरकार की ओर से इसका वित्त पोषण किया जा रहा है। बायोमेट्रिक आधारित पीएम विश्वकर्मा पोर्टल से कारीगरों का निरुशुल्क पंजीकरण किया जा रहा है। इसके तहत 15 हजार रुपए प्रोत्साहन के रूप में टूलकिट, कौशल उन्नयन, डिजिटल लेनदेन एवं तीन लाख रुपए तक का ऋण प्राप्त कराया जाता है। इस योजना में 18 पारंपरिक शिल्पकलाएं शामिल है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान आनंद पाल सिंह बबलू, आशुतोष सिंह रानू, अखिलेश प्रताप सिंह कुंदन, ग्राम प्रधान घनश्याम जायसवाल, भाजपा नेता संतोष सिंह, भाजपा पिपरा मंडल महामंत्री अजय सैनी, विश्वनाथ मौर्या, चन्द्र भान मौर्या, मेही लाल, ग्राम सचिव बृजेश समेत विभिन्न प्रशासनिक विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में नेपाल के जानकी मंदिर से भेजा जाएगा 11 सौ उपहार

संवाददाता—महराजगंज। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का लेकर पूरे देश के साथ नेपाल में भी उत्साह का माहौल है। क्योंकि माता सीता का मायका जनकपुर नेपाल के ही धनुषा जिले है। यहां के जानकी मंदिर से राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा में 1100 उपहार (भार) भेजने की तैयारी चल रही है। भार लेकर रामजानकी मंदिर की टीम नेपाल के महोत्तरी जिले के जलेश्वर, मलंगवा, गौर, कलैया होते हुए बीरगंज के अयोध्या रवाना होगी।

मिथिलांचल में सास के घर से बेटी के घर उपहार(भार) भेजने की प्रथा है। इसी परम्परा के तहत माता सीता के मायके जनकपुर से अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए उपहार भेजी जाने वाली है। उपहार में साड़ी, धोती, आभूषण, बिस्तर, मेज, कुर्सी, स्टोव, विभिन्न प्रकार की मिठाइयां शामिल हैं। जानकी मंदिर के छोटे महंथ राम रोशन दास ने बताया कि पांच जनवरी को वह भार(उपहार) लेकर टीम के साथ भारत की सीमा पार रक्सौल के रास्ते बेतिया, गोरखपुर और अयोध्या पहुंचेंगे। शनिवार सुबह 9 बजे उपहार को राम जन्मभूमि ट्रस्ट को सौंपने का कार्यक्रम है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए भार भेजने से पहले नेपाल के काली गंडकी का पवित्र जल भी अयोध्या भेजा जा चुका है। काली गंडकी ही वह नदी है जिसमें सालीग्राम जी मिलते हैं। जिस कारण गंडकी के जल को नारायण का जल भी कहा जाता है। शालीग्राम के दो बड़े पत्थरो को पहले ही नेपाल से अयोध्या भेजा जा चुका है। जिससे वहां मूर्तियों का निर्माण हुआ है। अयोध्या राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नेपाल के राम जानकी मंदिर,पशुपति नाथ मंदिर, मनोकामना मंदिर के महंत समेत कई साधु–संतों को निमंत्रण भेजा गया है। नेपाल–भारत अवध मैत्री समाज के अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि राम जानकी के कारण भारत नेपाल के लोगों का आपस में सदियों से बेहतर संबंध रहा है। ज्यादातर लोग प्राण प्रतिष्ठा के गवाह बनाना चाहते हैं लेकिन उस दिन अयोध्या का माहौल बेहद व्यस्त रहेगा। ऐसे में अधिकतर लोग आराध्य के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को टीवी पर देखेंगे।

मिल को ताजा जड़ व पत्ती रहित गन्ने की आपूर्ति करें किसान –राठी

संवाददाता—बहराइच। पारले चीनी मिल के एसोसिएट मुख्य गन्ना प्रबंधक संजीव राठी ने ग्राम सलेमपुर डोकरी, क्रय केंद्र खैराबाजार प्रथम, द्वितीय,तृतीय, चंदनापुर, खोजकीपुर, बिजौवा, रामगढ़ी का भ्रमण कर गन्ना कटाई –छिलाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि जमीन की सतह के बराबर ही गन्ना काटें। गन्ने की फांदी बंधाई में सूखे जुने का ही प्रयोग करें। साफ –सुथरा, ताजा, जड़ व पत्ती रहित गन्ना ही आपूर्ति करे। कहा कि मिल गेट एवं क्रय केन्द्रों पर जो ग्रॉस वजन ट्राली– बैलगाड़ी का निर्धारित है, उसी के अनुसार ही गन्ना भेजें। बसंत कालीन बुवाई के लिए अभी से नई प्रजातियों का बीज गन्ना सुरक्षित कर लें। नई प्रजातियों में 15023, 14201 अधिक से अधिक लगाएं अन्य प्रजातियों में 0118, 0238 भी लगाएं। जिस किसान के पास बुवाई के लिए बीज नहीं है। वह सभी किसान अविलम्ब पारले गन्ना अधिकारियों से मिलकर बुवाई के लिए बीज का प्रबंध जरूर कर लें। अच्छी प्रजाति ही उत्पादन का मुख्य आधार है। किसान समस्त गन्ने की आपूर्ति अपने नाम पर ही करें,जिससे बेसिक कोटे में निरंतर बढ़ोत्तरी हो सके। सीजन के आखिरी तक गन्ने की आपूर्ति करें,जल्दबाजी आपूर्ति में न करें। उन्होंने उपस्थित किसानों को पम्पलेट्स भी वितरित किए गए। इस अवसर पर पारले चीनी मिल के अधिकारी अखंड, अमर,जीतेन्द्र, रमेश, मनोज, प्रवीण, गिरजेश सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

गन्ना लदी टैक्ट्रर-ट्राली ने बाइक सवार को रौंदा, दो की मौत

संवाददाता—गोण्डा। जिले में गुरुवार देरात हुए हादसों में दो युवकों की मौत गई। कटराबाजार थानाक्षेत्र में गन्ना लदी ट्रैक्टर–ट्राली ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया है। ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को सीएचसी कटरा बाजार ले जाया गया जहां पर डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, मनकापुर में रेलवे क्रासिंग के पास बस की चपेट में आए युवक की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कटराबाजार थाना क्षेत्र के पहाड़ापुर के कुट्टी गांव निवासी 31 वर्षीय अरविंद कुमार पुत्र जवाहर लाल सब्जी लेकर बाइक से अपने घर जा रहा था। रास्ते में दुबहा बाजार की तरफ से आ रही गन्ने से लदी ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर–ट्राली लेकर भाग गया। गंभीर रूप से घायल युवक को लोगों ने एंबुलेंस की मदद से सीएचसी कटरा बाजार पहुंचाया लेकिन खून अधिक बह जाने से उसे बचाया नहीं जा सका। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पत्नी रानी ने कटरा बाजार थाने ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। प्रधान प्रतिनिधि पहाड़ापुर अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक के तीन बच्चे है। जिनका भरण पोषण की जिम्मेदारी उसी पर थी। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। प्रभारी निरीक्षक संजय गुप्ता ने बताया कि मृतक की पत्नी की तहरीर पर नयेपुरवा डूडही निवासी ट्रैक्टर चालक दिनेश पुत्र सत्यदेव के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है।

उधर, मनकापुर में गुरुवार देरशत राम भवन यादव निवासी पीलखाना कठैया अपने निजी कार्य से कोतवाली के पास गया था। वापस आते समय रात करीब साढ़े दस बज चालक ने लापरवाही पूर्वक बस चलाते हुए उसे कुचल दिया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे फौरन सीएसी पहुंचाया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल राज कुमार सरोज ने बताया कि मृतक के बड़े भाई राम सजीवन यादव की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

पत्नी व बच्चो का रो–रोकर हाल बेहालरू बताया जाता है कि रामभवन पेशे से ड्राइवर था। उसकी गाड़ी खराब थी जिसको बनने के लिए दे रखा था। वही गाड़ी देखकर लौटते समय वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे के बाद पत्नी मीरा, पुत्री काजल, अरुण, आंचल व रोशनी का रो–रोकर हाल बेहाल है। पत्नी चार माह के दुधमुंहे बच्चे को देखकर दहाड़े मारकर रो रही है।

नवागत एसपी की चली तबादला एक्सप्रेस, 84 दरोगा इधर से उधर

संवाददाता—गोण्डा। पुलिस अधीक्षक गोंडा विनीत जयसवाल ने कानून व्यवस्था के मद्देनजर जनपद में बड़ा फेरबदल करके एक साथ 84 उप निरीक्षकों का स्थानान्तरण किया है। जिसमे कई चौकी इंचार्ज से चौकी का दायित्व चला गया, तो कुछ को पुलिस लाइन से बाहर आने का अवसर मिला है। उन्हें थाने पर नई तैनाती दी गई है।

बलराम सिंह इटियाथोक थाना से कोतवाली नगर का एससीपीएम चौकी प्रभारी, बृजेश कुमार थाना वजीरगंज से कोतवाली नगर का सद्भावना चौकी प्रभारी, धीरेंद्र सिंह थाना कोतवाली देहात का चौकी प्रभारी पथरी बाजार से थाना कोतवाली नगर का महाराजगंज चौकी प्रभारी, बृजेश कुमार गुप्ता थाना परसपुर के शाहपुर चौकी प्रभारी को कोतवाली नगर के पांडे बाजार चौकी प्रभारी, दिवाकर मिश्रा खरगूपुर थाना क्षेत्र के जानकीनगर चौकी प्रभारी को कोतवाली नगर का सोनी गुमटी चौकी प्रभारी, उदित कुमार वर्मा को पुलिस लाइन से कोतवाली नगर के सेमरा बाजार चौकी प्रभारी, पिंटू कुमार यादव को कोतवाली नगर के गुरु नानक चौकी प्रभारी से कोतवाली नगर के मिश्रौलिया चौकी प्रभारी, शरद कुमार अवस्थी को कोतवाली नगर के चौकी प्रभारी पांडे बाजार से थाना परसपुर, संजीव सिंह कोतवाली नगर के सोनी गुमटी चौकी की प्रभारी से नवाबगंज के सरयू घाट चौकी प्रभारी, वीरेंद्र पाल को कोतवाली नगर के सेमरा बाजार चौकी प्रभारी से थाना धानेपुर, कोतवाली नगर के मिश्रौलिया चौकी प्रभारी प्रतीक पांडे को थाना कौड़िया, कोतवाली नगर के चौकी प्रभारी तिवारी बाजार वीरेंद्र कुमार शुक्ला को थाना धानेपुर, कोतवाली नगर के सद्भावना चौकी प्रभारी अमर सिंह को वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना धानेपुर, कोतवाली नगर के सिविल लाइन चौकी प्रभारी भानु प्रताप सिंह को थाना कर्नलगंज, थाना कोतवाली नगर से मोहम्मद आलम को थाना कोतवाली मनकापुर, उमाशंकर उपाध्याय थाना कोतवाली नगर से थाना खरगूपुर, रामप्रसन सिंह को थाना कोतवाली नगर से थाना वजीरगंज, कोतवाली नगर से डिग्री प्रसाद गौतम को थाना परसपुर, राकेश कुमार को थाना कोतवाली नगर से थाना छपिया, राकेश कुमार को थाना कोतवाली देहात के दर्जी कुआं चौकी प्रभारी से परसपुर थाना का चौकी प्रभारी पसका, संजीव कुमार राय थाना कौड़िया से चौकी प्रभारी दर्जी कुआं, थाना कोतवाली देहात खोरहंसा चौकी प्रभारी नागेश्वर नाथ पटेल को थाना धानेपुर, वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना इटियाथोक अजय कुमार तिवारी को देहात कोतवाली क्षेत्र के खोरहंसा चौकी प्रभारी, प्रशांत शुक्ला थाना कर्नलगंज को देहात कोतवाली क्षेत्र के पथरी बाजार का चौकी प्रभारी, कोतवाली देहात के लाल बहादुर सिंह को थाना इटियाथोक, कोतवाली देहात से रामदेव को वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना कौड़िया, कोतवाली देहात के सुभाष यादव को थाना छपिया, थाना खरगूपुर से चंद्रसेन को खरगूपुर का चौकी प्रभारी जानकी नगर, थाना खरगूपुर के प्रदीप कुमार सिंह को थाना छपिया, थाना खरगूपुर के ओम प्रकाश यादव को कोतवाली नगर, इटियाथोक थाना क्षेत्र के भनिया खुर्द चौकी प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह को कटरा बाजार के माधवपुर चौकी प्रभारी, उमरी बेगमगंज के विवेक मौर्य को थाना इटियाथोक क्षेत्र के भावनिया खुर्द का चौकी प्रभारी, पशुपतिनाथ तिवारी को इटियाथोक थाना से थाना कोतवाली नगर, इटियाथोक थाना के शशि भूषण सिंह को थाना नवाबगंज, थाना इटियाथोक के अवधेश यादव को थाना उमरी बेगमगंज, थाना इटियाथोक के सौरभ वर्मा को थाना परसपुर, थाना आइडिया ठोक के सुनील कुमार रावत को वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना छपिया, थाना धानेपुर के अयोध्या सिंह को थाना खोडारे, आदित्य गौरव श्रीवास्तव को थाना धानेपुर से परसपुर थाना का शाहपुर चौकी प्रभारी, मोतीगंज थाना के चौकी प्रभारी खोबा नीरज सिंह को थाना खरगूपुर, राजेश कुमार थाना उमरी बेगमगंज से थाना इटियाथोक, उमेश कुमार थाना मनकापुर से तरबगंज थाना के चौकी प्रभारी भानपुर, थाना मनकापुर के शशांक मौर्य को थाना इटियाथोक, थाना तरबगंज के भानपुर चौकी प्रभारी केदार राम को थाना खोडारे, थाना तरबगंज के अरविंद कुमार सिंह को थाना छपिया, थाना तरबगंज के जय हिंद को थाना धानेपुर, थाना तरबगंज के स्वामीनाथ सिंह को थाना कर्नलगंज, नवाबगंज थाना के चौकी प्रभारी कस्बा कामेश्वर राय को थाना इटियाथोक, थाना कर्नलगंज के मनीष कुमार को थाना नवाबगंज का कस्बा चौकी प्रभारी, नवाबगंज के सरयू घाट चौकी प्रभारी शिव लखन यादव को मोतीगंज थाना क्षेत्र के काहोबा का चौकी प्रभारी, थाना नवाबगंज के सुनील कुमार सिंह को थाना कौड़िया, वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना वजीरगंज के धर्मेंद्र कुमार गौतम को वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना उमरी बेगमगंज, थाना वजीरगंज के अवनीश शुक्ला को थाना छपिया, थाना वजीरगंज के बीरबल को थाना मोतीगंज, थाना उमरी बेगमगंज के चौकी प्रभारी मुंगरा बाजार राकेश को थाना खोडारे, थाना उमरी बेगमगंज के राजेश प्रसाद कनौजिया को थाना धानेपुर, थाना कर्नलगंज के एजाज अहमद को थाना कोतवाली नगर, थाना कटरा बाजार के चौकी प्रभारी माधवपुर अरुण कुमार गौतम को थाना तरबगंज के रगडगंज चौकी प्रभारी, थाना कटरा बाजार के मोहम्मद सरफराज खान को थाना कर्नलगंज, परसपुर थाना के चौकी प्रभारी पसका सोम प्रताप सिंह को थाना छपिया, थाना परसपुर से प्रशांत गुप्ता को कौड़िया थाना का चौकी प्रभारी आर्य नगर, थाना कौड़िया के वरिष्ठ उपनिरीक्षक विश्वनाथ कुमार चतुर्वेदी को थाना वजीरगंज का वरिष्ठ उप निरीक्षक, कौड़िया थाना क्षेत्र के आर्य नगर चौकी प्रभारी दिलीप कुमार सिंह को छपिया थाना का मसकनवा चौकी प्रभारी, मसकनवा चौकी प्रभारी राजेश दुबे को कोतवाली नगर के तिवारी बाजार चौकी प्रभारी, कौड़िया बाजार के दुबहा बाजार चौकी प्रभारी प्रेमानंद को कोतवाली नगर का बड़गांव चौकी प्रभारी, कोतवाली नगर के बड़गांव चौकी प्रभारी मनोज कुमार सिंह को कोतवाली नगर के गुरु नानक चौक चौकी प्रभारी, थाना कौड़िया के राम प्रसाद भार्गव को थाना परसपुर, पुलिस लाइन से गोपाल सिंह को थाना कौड़िया अंतर्गत चौकी प्रभारी दुबहा बाजार, पुलिस लाइन से ब्रह्मानंद सिंह को वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना कोतवाली नगर, पुलिस लाइन से अभिषेक मिश्रा को थाना कोतवाली मनकापुर, पुलिस लाइन से अभिषेक पांडे को थाना तरबगंज, पुलिस लाइन से विनय कुमार पांडे को थाना परसपुर, पुलिस लाइन से रविंद्र कुमार को थाना इटियाथोक, पुलिस लाइन से प्रेम गुप्ता को थाना खोडारे, पुलिस लाइन से रामधारी दिनकर को थाना वजीरगंज, पुलिस लाइन से अखिलेश यादव को थाना मोतीगंज, पुलिस लाइन से संजीव चौहान को थाना उमरी बेगमगंज, पुलिस लाइन से अमित यादव को थाना इटियाथोक, पुलिस लाइन से दयानंद यादव को थाना कर्नलगंज, गजानन पाठक को थाना कौड़िया से थाना धानेपुर, थाना नवाबगंज से संजय कुमार सिंह को थाना कौड़िया, थाना कटरा बाजार से उदय नारायण शाही को थाना कोतवाली मनकापुर और हर नारायण तिवारी को थाना करनैलगंज से थाना वजीरगंज में स्थानांतरित करते हुए वहां के दायित्वों को निर्वहन करने का दायित्व सौंपा गया है।

राम न्यायालय के विरोध में उतरे अधिवक्ता

संवाददाता—गोण्डा। ग्राम न्यायालय की स्थापना व वकीलों पर दर्ज मुकदमे की वापसी की मांग को लेकर संयुक्त संघों के वकीलों ने जुलूस निकालकर सिविल कोर्ट कैंपस में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। इससे कचहरी में कामकाज पूरी तरह से ठप रहा। बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी व सिविल बार एसोसिएशन संगमलाल दूबे के नेतृत्व में शुक्रवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सैकड़ों वकीलों ने सुबह साढ़े दस बजे जुलूस निकालकर सिविल कोर्ट पहुंचे। जहां पर वकीलों ने जोरदार नारेबाजी व विरोध प्रदर्शन करते हुए ग्राम न्यायालय की स्थापना का विरोध जताया। आंदोलन का इस मौके पर महामंत्री चंद्रमणि तिवारी, दिनेश नारायण पाण्डेय,जगन्नाथ प्रसाद शुक्ला व संतोष कुमार पाण्डेय कौशल किशोर पांडेय, रवि चंद्र त्रिपाठी, विदेश्वरी प्रसाद द्विवेदी, के के मिश्रा, दीनानाथ त्रिपाठी, राम बृझारथ द्विवेदी, आदि वकीलों ने अपने विचार व्यक्त किए।

लापरवाही के आरोप में नपे जल निगम के एक्सईएन

संवाददाता—गोण्डा। महज तीन महीने के अंतराल के बाद जल निगम के एक्सईएन मो. इमरान लापरवाही के आरोपों में नप गए। बताया जा रहा है कि शासन प्रशासन के कड़े निर्देश के बाद भी जिले में पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कें दुरुस्त नहीं की गई। इसकी शिकायतें मिलने पर उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. बलकार सिंह ने लापरवाही पर उनके खिलाफ कार्रवाई की है। विभाग के प्रभारी अधीक्षण अभियंता एसएम असजद ने एक्सईएन के विरुद्ध निलंबन कार्रवाई किए जाने के पुष्टि की है।

जिले में करीब 2200 करोड़ की पेयजल योजनाओं के साथ पांच सौ से अधिक परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। जल निगम के एक्सईएन मोह इमरान को चार्ज संभाले तीन महीने में पांच दिन बाकी थे। अभी वे यहां के कार्यालय और हालातों को ढंग से समझ भी नहीं सके थे। इसी बीच उन पर कार्रवाई कर दिए जाने से विभाग के अभियंता व कर्मी भी हतप्रभ हैं। जल जीवन मिशन के तहत हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने की योजनाओं को मूर्त रुप देने में दो बड़ी कम्पनियां लगी हुई है।

हालांकि इनमें 139 पानी टंकियों के निर्माण पर गांव–गांव पाइप लाइन बिछाने का कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक्सईएन मो इमरान अभी इन परियोजनाओं के कार्यो व यहां के हालातों को भी समझ रहे थे। जिले व मंडल स्तर की बैठकों में अक्सर वे मातहत अभियंताओं को साथ ले जाते। बताते हैं कि बुधवार को विभाग के प्रमुख सचिव बलकार सिंह की बैठक के दौरान उन पर कंपनियों की ओर से गंभीर आरोप मढ़े गए, जिसके बाद एक्सईएन के विरुद्ध कार्रवाई कर दी गई है।

राम मंदिरः 22 जनवरी को एक नहीं दो मूर्तियों की होगी प्राण प्रतिष्ठा

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 16 जनवरी से शुरू हो जाएगा। अनुष्ठान की तैयारी को लेकर काशी के आचार्य भी अयोध्या पहुंच गए हैं। मंडप व हवन कुंडों का निर्माण तेजी से चल रहा है। शुक्रवार को आचार्यों ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के साथ बैठक भी की। राममंदिर के गर्भगृह में दो मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। विराजमान रामलला उत्सव मूर्ति व नवनिर्मित रामलला अचल मूर्ति के रूप में प्राण प्रतिष्ठित होंगे।

आचार्य अरुण दीक्षित ने बताया कि हर रोज आज घंटे पूजन की प्रक्रिया चलेगी। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में देश भर के 121 आचार्य शामिल होंगे। काशी के प्रसिद्ध आचार्य गणेश्वर द्रविड़ व लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में समस्त अनुष्ठान होंगे। अनुष्ठान की शुरूआत 16 जनवरी को प्रायश्चित पूजन से होगी। यजमान की शुद्धता के लिए प्रायश्चित पूजन किया जाता है। इसी दिन मां सरयू की भी पूजा होगी। पूजन के लिए पांच वेदियां बनाई जा रही हैं। योगिनी, क्षेत्रपाल, वास्तु वेदी की स्थापना होगा। पदि्मनी वेदी में भगवान को बिठाकर पूजन के संस्कार किए जाएंगे। इस वेदी में विराजमान रामलला की मूर्ति ही रखी जाएगी। नवनिर्मित मूर्ति आकार में बड़ी है इसलिए उसे बार–बार इधर–उधर नहीं किया जा सकता। इसी के चलते अनुष्ठान की प्रक्रिया छोटी मूर्ति के साथ पूरी की जाएगी। हालांकि प्राण प्रतिष्ठा दोनों मूर्तियों की होगी। पूजन के जो विधि विधान व संस्कार छोटी मूर्ति के होंगे वहीं अचल मूर्ति के भी होंगे।

वैदिक आचार्य सुनील लक्ष्मीकांत दीक्षित ने बताया कि नवनिर्मित अचल मूर्ति के दर्शन आचार्यों को 18 जनवरी को पहली बार होंगे। राममंदिर के ईशान कोण में पूजन के लिए यज्ञ मंडप बनाया जा रहा है। जिसमें नौ हवन कुंड का निर्माण हो रहा है, अब तक चार कुंड बन चुके हैं, दस जनवरी तक हवन कुंड निर्माण का काम पूरा हो जाएगा।

आचार्य अरुण दीक्षित ने बताया कि 16 जनवरी को सबसे पहले निर्माण स्थल की पूजा की जाएगी। जहां निर्माण हुआ है उसे शास्त्रीय भाषा में कर्मकुटी कहा जाता है। इसलिए 16 जनवरी को कर्मकुटी की पूजा होगी। मूर्ति का निर्माण रामसेवकपुरम व विवेक सृष्टि के परिसर में हुआ है। रामसेवकपुरम में दो व विवेक सृष्टि में एक मूर्ति का निर्माण हुआ है। इन स्थलों पर पूजन होगा।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान की पूजन सामग्री महाराष्ट्र से अयोध्या पहुंच गई है। हवन सामग्री लेकर पहुंचे महाराष्ट्र के धुलिया निवासी नंदन केल ने बताया कि हमने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को पत्राचार कर प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में लगने वाली पूजन सामग्री अर्पित करने की इच्छा व्यक्त की थी। उनकी अनुमति मिलने के बाद हम इसे लेकर आए हैं। यह आठ दिनों की आठ प्रकार की पूजन सामग्री है। इसमें शुद्ध तांबे के 200 कलश हैं। इसके अलावा प्रसाद के लिए तिल का लड्डू, रंगोली, सविधा, आठ दिन की हवन सामग्री, लकड़ी, गाय की गोबरी, 150 ध्वज शामिल है।

जिंदा व्यक्ति को सेक्रेटरी ने दिखाया मृत, निलंबित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोटन क्षेत्र के गुजरौलिया गांव में जिंदा व्यक्ति को मृत दिखाकर वृद्धावस्था पेंशन रोकने समेत आठ बिंदुओं के आरोप में महिला ग्राम पंचायत अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में वह बढ़नी ब्लॉक कार्यालय से संबद्ध रहेगी। अपर जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच अधिकारी नामित किया गया है। तीन जनवरी को लोटन ब्लॉक के गुजरौलिया गांव निवासी चंदर पुत्र कल्पू ने डीएम से शिकायत की। उसने बताया कि ग्राम पंचात अधिकारी शीला पटेल (अब बढ़नी ब्लाक में तैनात) ने मृतक दिखा दिया है। इससे उसका वृद्धा पेंशन रोक दिया गया। डीएम के आदेश पर जांच रिपोर्ट में वह दोषी पाई गई। इन पर इतना ही नहीं लोटन में तैनाती के दौरान ग्राम पंचायत गुजरौलिया में अनियमितता बरने, डीएम के निर्देश पर जनपद बुलंदशहर स्थित ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र के एक्सपोजर विजिट में बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने का भी आरोप है। जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार ने ग्राम पंचायत अधिकारी शीला पटेल को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में बढ़नी कार्यालय से संबद्ध रहेंगी। बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय से बाहर नहीं जाएंगी। प्रश्नगत अनुशासनिक प्रकरण में अपर जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच अधिकारी नामित किया गया है। बढ़नी ब्लॉक में प्रभार की कुल 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालयों के केयर टेकरों को नियमित भुगतान न करने, बढ़नी में ओडीएफ प्लस के लिए चयनित पांच ग्राम पंचायतों में से दो में आरआरसी का कार्य अब तक प्रारम्भ न करने, अवेशष तीन ग्राम पंचायतों में नींव स्तर तक कार्य कराने के बाद कार्य को अधूरा छोड़ने, सात ग्राम पंचायतों में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए निर्गत कुल 291 शौचालयों की धनराशि के सापेक्ष अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने के संबंध में कोई भी कार्रवाई न करने, शौचालय विहीन व्यक्तियों की कोई भी रिपोर्ट प्रस्तुत न करने, प्रभार की किसी भी ग्राम पंचायत को अब तक ओडीएफ प्लस घोषित न करने, विभागीय समीक्षा बैठकों से प्रायः अनुपस्थित रहने और अपने कार्य को निजी व्यक्तियों की ओर से कार्य कराने का आरोप है।

एसपी का तबादला

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसपी अभिषेक कुमार अग्रवाल का शासन ने तबदला कर दिया है। प्राची सिंह नई कप्तान होंगी।

शासन द्वारा जारी तबादला लिस्ट के अनुसार एसपी अभिषेक अग्रवाल को इसी पद पर रायबरेली भेजा गया है। श्रावस्ती जिला में तैनात एसपी प्राची सिंह को सिद्धार्थनगर का एसपी बना कर भेजा गया है।

बाबरी केस के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी को मिला राम मंदिर कार्यक्रम का न्योता

संवाददाता–अयोध्या। बन रहे राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए बाबरी मस्जिद के मुख्य पक्षकार रहे इकबाल अंसारी को भी न्योता दिया गया है। राम मंदिर में 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है और इस कार्यक्रम में पीएम मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ समेत छह हजार से ज्यादा लोगों की वहां मौजूदगी रहेगी। इकबाल अंसारी को शुक्रवार को इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया। श्रीराम राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से आरएसएस के वर्कर्स ने इकबाल अंसारी को निमंत्रण कार्ड दिया। इस मौके पर इकबाल काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि भगवान राम अयोध्या में साक्षात विराजमान होने जा रहे हैं। जो भी दर्शन करेंगे, वे अच्छा काम करेंगे और उनकी नीयत अच्छी होगी। वे भगवान के बताए रास्ते पर चलेंगे। हमें इस बात की खुशी है कि भगवान राम साक्षात विराजमान होंगे। इकबाल अंसारी ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि हम सबको सलाह देते हैं कि अयोध्या ऐसी धरती है जहां पर हिंदू–मुस्लिम, सिख और ईसारी का भाईचारा बना हुआ है और आगे भी बना रहेगा। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला किया, उसका देशभर के मुस्लिम ने सम्मान किया और कहीं भी धरना–प्रदर्शन नहीं हुआ। आज हिंदू–मुस्लिमों में कोई दरार नहीं है। मंदिर का काम पूरा हो चुका है और भगवान राम वहां विराजमान हो रहे हैं। अयोध्यावासी भी खुश हैं और हम भी खुश हैं। इससे पहले, 30 दिसंबर को जब पीएम मोदी का अयोध्या में रोड शो हुआ था, तब भी इकबाल अंसारी वहां पहुंचे थे। उन्होंने भी पीएम मोदी पर फूल बरसाए थे। इस दौरान इकबाल ने कहा था कि अयोध्या में सब हिंदू–मुस्लिम एक साथ मिलकर रहते हैं और एक–दूसरे के कार्यक्रमों में भी शामिल होते हैं। अयोध्या लोगों को यही पैगाम देती आई है। इकबाल अंसारी के पिता हाशिम अंसारी राम जन्मभूमि विवाद में मुख्य वादी थे। उनके निधन हो जाने के बाद उनके बेटे इकबाल अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में बाबरी केस में मुख्य पक्षकार की भूमिका निभाई।

ठेके के अंदर सेल्समैन ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शराब सेल्समैन ने चकुआपुर स्थित शराब ठेके के अंदर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। रात में ठेके पर साथ में सोने पहुंचे चचेरे भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने दीवार काटकर शव को फंदे से नीचे उतारा।

थाना क्षेत्र इब्राहिमपुर के फूलपुर निवासी रवि वर्मा (22) चकुवापुर स्थित शराब ठेके का सेल्समैन था। प्रतिदिन की तरह वह रात में भोजन करने के बाद ठेके पर सोने चला गया। रात करीब 11 बजे रवि का चचेरा भाई भी ठेके पर सोने के लिए पहुंचा। शटर अंदर से बंद था। उसने कई बार आवाज लगाई लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। दीवार में ऊपर बने रोशनदान से झांक कर देखा तो सन्न रह गया। रवि का शव कमरे में लगे पंखे से लटक रहा था। उसके शोर मचाने पर आस पास के लोग पहुंच गए। परिजनों को जानकारी देने के साथ ही पुलिस टीम को भी सूचना दी गई। दीवार काटकर लोग अंदर घुसे और बेसुध दशा में रवि को टांडा सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित किया।

बताते चलें कि रवि अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था। उसके पिता बृजनाथ वर्मा का करीब तीन वर्ष पहले कोरोना काल में निधन हो चुका है। बृजनाथ भी उसी ठेके पर बतौर सेल्समैन का काम करते थे। युवक की मौत से मां का रोकर बुरा हाल है। परिवार के सदस्य यह नहीं बता पा रहे कि उसने ऐसा क्यों किया। घटना के पीछे प्रेम प्रसंग की चर्चा है। थानाध्यक्ष सुनील पांडेय ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रेमी से मिलने के लिए मां-बाप को खिलाती थी नींद की गोली, शक होने पर रंगेहाथ बेटी को पकड़ा

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां तिवारीपुर क्षेत्र के एक मोहल्ले में प्रेमिका से घर में मिलने पहुंचे युवक को लड़की के घरवालों ने पकड़ लिया। उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद पुलिस को बुला लिया। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि लड़की अपने मां–बाप को तीन माह से नींद की दवा खिलाती थी। उनके सोने के बाद अक्सर युवक को घर में बुलाती थी। संदेह होने पर बृहस्पतिवार की शाम को मां–बाप ने दवा नहीं खाई और सोने का नाटक किया। मां–बाप को नींद में समझकर युवती ने प्रेमी को बुला लिया। जैसे ही युवक घर में पहुंचा, मां–बाप ने पकड़कर शोर मचा दिया। युवक अंधियारी बाग का रहने वाला बताया जा रहा है।

किन्नरों का कोतवाली में हंगामा आपस में जमकर की मारपीट

संवाददाता–संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद में शुक्रवार की देर शाम किन्नरों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान आपस में मारपीट भी की। किन्नरों के हंगामे के चलते पुलिस परेशान रही।

बताया जा रहा है कि किन्नरों ने क्षेत्र बंटवारे को लेकर पंचायत बुलाई थी, लेकिन मामला न सुलझने पर कोतवाली पहुंचे थे। जहां किन्नरों ने आपस में मारपीट कर ली। इस मामले में कोतवाली पुलिस असहाय बनी रही।

बाद में कुछ पुलिस कर्मियों ने किसी तरह से मामले को शांत कराया।

भाकियू(अराजनैतिक) नें अतिरिक्त उप जिलाधिकारी को सौपा 14 सूत्रीय ज्ञापन

संवाददाता–सिद्धार्थ नगर। भारतीय किसान यूनियन नें जिलाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह की अगवाई में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित को सौपा। दिये गये ज्ञापन में मांग किया है कि प्रदेश सरकार द्वारा सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली का वायदा करते हुए इसकी घोषणा बजट पेश के समय की गई लेकिन अब तक लागू नही किया उसे लागू किया जाय। जी एम मस्टर्ड (सरसों) को देश में प्रतिबंधित किया करने, जनपद में उर्वरको की उपलब्धता सहित अन्य मांगे शामिल रहीं।

ज्ञापन देते समय कपिल देव, उपेंद्र कुमार, देवेंद्र नाथ, उमेश चंद्र, भूपेंद्र कुमार, अरविंद चौधरी, मनोज कुमार, सदर तहसील प्रभारी चौतू, रामकुमार यादव, पवन श्रीवास्तव आदि सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सपा के पूर्व प्रत्याशी को मिली हत्या की धमकी

संवाददाता–संतकबीरनगर। सपा नेता जयराम पांडेय ने बताया कि दो जनवरी को वह मेंहदावल क्षेत्र में जा रहे थे। वह एक जगह रुक गए और वहां दुकान पर बैठ गए। उनकी गाड़ी के पीछे तीन लोग कार से आए। रुककर पूछा कि क्षेत्र में जा रहे हैं? उन लोगों ने भी कहा कि उधर ही चल रहे हैं। इसके बाद शक हुआ तो वे तीनों बखिरा की तरफ बढ़े तो वे लौट आए। जहां जिस दुकान पर बैठे थे, वहीं रुक गए। जिले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व मेंहदावल विधान सभा से पूर्व प्रत्याशी जयराम पांडेय को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने बखिरा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की, जिसमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। सपा नेता जयराम पांडेय ने बताया कि दो जनवरी को वह मेंहदावल क्षेत्र में जा रहे थे। वह एक जगह रुक गए और वहां दुकान पर बैठ गए। उनकी गाड़ी के पीछे तीन लोग कार से आए। रुककर पूछा कि क्षेत्र में जा रहे हैं? उन लोगों ने भी कहा कि उधर ही चल रहे हैं। इसके बाद शक हुआ तो वे तीनों बखिरा की तरफ बढ़े तो वे लौट आए। जहां जिस दुकान पर बैठे थे, वहीं रुक गए। दुकानदार ने बताया कि वे लोग पूछ रहे थे कि जयराम पांडेय कहां गए। उसके बाद गाली देने लगे। फिर गाड़ी में बैठकर चले गए। जाते–जाते गाली देते हुए कहा कि जयराम आएंगे तो उन्हें बता देना की जल्द ही उनको गोली मार देंगे। दुकानदार गाड़ी की तरफ बढ़े लेकिन गाड़ी पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी।इसकी वजह से गाड़ी के बारे में पता नहीं चल पाया। उन्होंने बखिरा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। एसओ बखिरा श्याम मोहन ने बताया कि वह डिप्टी सीएम के कार्यक्रम में थे। ट्वीट के माध्यम से सूचना मिली थी, तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सोलर पैनल में गमछे के सहारे लटकता मिला पुलिस कर्मी का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उसका थाना परिसर में शुक्रवार सुबह सोलर के पैनल के सहारे फंदे से लटका हुआ हेड कांस्टेबल का शव मिला। इससे थाने में सनसनी फैल गई। आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रहे हैं। वजह जानने की कोशिश में जुटे हैं कि पुलिसकर्मी ने क्यों फंदा लगाया। गोरखपुर जनपद के खोराबार थाना क्षेत्र के बहरामपुर जर्दा निवासी राधेश्याम 1997 बैच के सिपाही थे। वह पिछले 3 साल से उसका थाने में बतौर हेड कांस्टेबल तैनात थे। बताया जा रहा है कि रात में वह गस्त पर निकले थे। गस्त पूरी करके थाने पर लौटे। इसके बाद छत पर गए और वहां ऊपर लगे सोलर पैनल के सहारे अपने गमछे से फंदे से लटक गए। भोर में उठे एक सिपाही ने देखा तो शोर किया। इसके बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। वहां से उसका सीएचसी ले गए। इसके बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ और सीओ सदर अखिलेश वर्मा उसका थाना पहुंचने। उनके साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे। मामले की छानबीन कर रहे हैं। यह वजह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा कदम राधेश्याम ने क्यों उठाया?

बजहा चौकी प्रभारी की हुई पदोन्नति, क्षेत्राधिकारी सदर नें बैच लगाकर किया सम्मानित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कपिलवस्तु थाना क्षेत्र के बजहा चौकी प्रभारी पद पर तैनात 2013 बैच के निरीक्षक रामकुमार राजभर प्रोन्नति हुये हैं।

क्षेत्राधिकारी सदर अखिलेश वर्मा ,आर आई लाइन बीके गुप्ता व इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र राय द्वारा बैच लगाकर सम्मानित किया गया।

रामकुमार राजभर जनपद देवरिया के मूल निवासी हैं। 1997 से बतौर कांस्टेबल के पद पर सेवा शुरू करने वाले राम कुमार राजभर 2008 में हेड कांस्टेबल के पद से 2013 में विभागीय उप निरीक्षक की परीक्षा उत्तीर्ण कर वर्तमान में वह बजहा चौकी पर तैनात है ।

गोरखपुर से अयोध्या के बीच चलेंगी 30 नई बसें

संवाददाता–गोरखपुर। अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीराम के विराजमान होने के बाद श्रद्धालुओं के लिए गोरखपुर से अयोध्या के बीच रोडवेज की 30 नई बसें चलाई जाएंगी। अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर धाम तक पहुंचाने के लिए गोरखपुर की दस सहित कुल 30 इलेक्ट्रिक बसें (ई बसें) भी संचालित होंगी। गोरखपुर से 18 जनवरी को दस इलेक्ट्रिक बसें अयोध्या के लिए रवाना हो जाएंगी। ये सभी बसें मार्च तक चलाई जाएंगी। अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को कोई तकलीफ न हो, इसके लिए परिवहन निगम ने अभी से अपनी तैयारी तेज कर दी है। चाहे हाईवे पर फर्राटा भरने वाली बसें हो या महानगर की सड़कों पर चलने वाली, निगम के अधिकारी श्रद्धालुओं के लिए बस तैयार करने में पूरे मनोयोग से जुट गए हैं। जानकारों का कहना है कि अयोध्या में भीड़ के चलते बाहर से आने वाले अधिकतर श्रद्धालु गोरखपुर में ही रुक जाएंगे। कुछ स्पेशल ट्रेनें भी गोरखपुर में रुकेंगी। ऐसे में यह बसें श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम तक ले जाने और ले आने में उपयोगी साबित होंगी। फिलहाल, गोरखपुर परिक्षेत्र में 750 बसें चल रही हैं। महानगर के विभिन्न रूटों पर 25 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हैं। इलेक्ट्रिक बसों में से दस अयोध्या चली जाएंगी। यह बसें रेलवे और बस स्टेशनों के अलावा निर्धारित स्थलों से श्रद्धालुओं को मंदिर व कार्यक्रम स्थल तक ले आने और ले जाने के लिए लगाई जाएंगी। शासन ने इन इलेक्ट्रिक बसों को संचालित करने की तैयारी शुरू कर दी है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम इमरान अहमद खान था। अब मैने अपना नाम परिवर्तित कर अहमद इमरान खान (AHMAD IMRAN KHAN) कर लिया है। अब से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

(अहमद इमरान खान)
पुत्र–जकाउल्लाह खान
मोहल्ला रफीक नगर, बेलवाडाडी
पोस्ट– गांधीनगर जिला– बस्ती

अदालती नोटिस

न्यायालय स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 28/2023

न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर

1. अशीष गुप्ता उम्र करीब 25 वर्ष पुत्र राधेश्याम निवासी मो0 रामनगर नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर

बनाम

ईस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 20–01–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 01 के 20 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 66/2023

न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर

1. श्रीमती संगीता देवी वालिग पत्नी स्व0 योगेन्द्र प्रसाद 2. धनन्जय वालिग पुत्र स्व0 योगेन्द्र प्रसाद 3. सुनील वालिग पुत्र स्व0 योगेन्द्र प्रसाद समस्त निवासी ग्राम दूल्हा शुमाली टोला दुबौलिया पोस्ट ककरहवा तप्पा भाटिनपार परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर उ0प्र0

बनाम

ईस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 09–02–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 02 के 09 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

महिला सिपाही ही नही सुरक्षित, दबिश देने गई टीम में दरोगा ने की बदसलूकी

संवाददाता–गोरखपुर। सिकरीगंज इलाके में महिला अपराध से जुड़े एक मामले में पिछले दिनों थाने पर तैनात दरोगा सरवर आलम दो महिला कांस्टेबल के साथ दबिश देने दूसरे जिले में गए थे। आरोप है कि दरोगा ने इस दौरान महिला कांस्टेबल के साथ बदसलूकी की। महिला कांस्टेबल ने इसकी शिकायत थानेदार से की थी। थानेदार के बाद मामला सीओ तक पहुंचा और फिर एसएसपी तक। जिले में पुलिस विभाग में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। गैर जिले में दबिश करने गई पुलिस टीम में एक महिला सिपाही के साथ दरोगा ही बदसलूकी करने लगा। महिला सिपाही, दरोगा के साथ दबिश पर दूसरे जिले में गई थीं। महिला सिपाही की शिकायत पर एसएसपी ने दरोगा को सस्पेंड कर जांच बिठा दी है। मामला सिकरीगंज थाने का है। आरोप है कि यहां तैनात एक महिला सिपाही के साथ थाने के ही एक दरोगा ने बदसलूकी की। सिकरीगंज इलाके में महिला अपराध से जुड़े एक मामले में पिछले दिनों थाने पर तैनात दरोगा सरवर आलम दो महिला कांस्टेबल के साथ दबिश देने दूसरे जिले में गए थे। आरोप है कि दरोगा ने इस दौरान महिला कांस्टेबल के साथ बदसलूकी की। महिला कांस्टेबल ने इसकी शिकायत थानेदार से की थी। थानेदार के बाद मामला सीओ तक पहुंचा और फिर एसएसपी तक। एसएसपी ने सीओ की रिपोर्ट के आधार पर बुधवार देर रात दरोगा सरवर आलम को निलम्बित कर दिया। दरोगा के निलंबन के बाद उसके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि यदि मामला सही पाया जाता है तो दरोगा के खिलाफ आगे और सख्त कार्रवाई हो सकती है। पुलिस विभाग में यह मामला काफी चर्चित बन गया है।" डॉ.गौरव ग्रोवर ने कहा कि सिकरीगंज थाने पर तैनात उप निरीक्षक सरवर आलम को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिये गए हैं।

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद सिद्दीकी पुत्र मोहम्मद हनीफ द्वारा नाजिम/प्रबंधक की हैसियत से संस्था मस्जिद फिदा हुसैन सोसाइटी, मोहल्ला लोहरा बारी गरवटिया, पाण्डेय बाजार, मेहदावल रोड, पी०/ तह०/ थाना पुरानी बस्ती, जनपद बस्ती के पजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 1. मोहम्मद हुसैन– सदर/अध्यक्ष 2. श्री साजिद शेख नायब सदर / उपाध्यक्ष 3. मोहम्मद सिद्दीकी– नाजिम /प्रबंधक 4. श्री अफजल– नायव नाजिम/उपप्रबंधक 5. श्री मेराज अहमद– खजाची/कोषाध्यक्ष 6. श्री इकबाल अहमद सदस्य 7. श्री कमाल अहमद सदस्य 8. श्री अब्दुल हकीम सदस्य 9. श्री आजाद अली सदस्य 10. श्री जमाल अहमद –सदस्य 11. श्री सहाबुद्दीन–सदस्य दर्शाये गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

विदित हो कि उक्त नोटिस सो०रजि०एक्ट 1860 की धारा 3(1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

आज्ञा से
(बी०के० सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार
गोरखपुर मण्डल गोरखपुर ।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com